

मिरा भाईंदर महानगरपालिका मा. स्थायी समिती सभा दि. ३१/०१/२०१४

मिरा भाईंदर महानगरपालिकेची मा. स्थायी समिती सभा शुक्रवार दिनांक ३१/०१/२०१४ रोजी सभा सुचना क्र. २४ दि. २७/०१/२०१४ रोजीच्या विषयपत्रिकेवरील विषयांवर विचार विनिमय करण्यासाठी मिरा भाईंदर महानगरपालिका, स्व. इंदिरा गांधी भवन, मुख्य कार्यालय, दुसरा मजला, लाल बहादुर शास्त्री सभागृहात सकाळी ११.०० वा. सभा आयोजित करण्यांत आली होती.

सदर सभेच्या अध्यक्षस्थानी मा. सभापती, श्री. शरद केशव पाटील हे उपस्थित होते. सदर सभेस खालील सदस्य उपस्थित होते.

उपस्थित सदस्य

१.	श्री. शरद केशव पाटील	सभापती
२.	श्रीम. अनिता जयवंत पाटील	सदस्या
३.	श्री. मुन्ना सिंह	सदस्य
४.	श्री. रोहिदास शंकर पाटील	सदस्य
५.	श्रीम. मिरादेवी यादव	सदस्या
६.	श्री. प्रशांत ज्ञानदेव दळवी	सदस्य
७.	डॉ. राजेंद्र जैन	सदस्य
८.	श्री. परशुराम प. म्हात्रे	सदस्य
९.	सौ. प्रभात प्रकाश पाटील	सदस्या
१०.	श्री. हंसुकुमार कमलकुमार पांडे	सदस्य
११.	सौ. वंदना मंगेश पाटील	सदस्या
१२.	श्री. अश्विन श्यामजी कासोदरीया	सदस्य
१३.	श्री. हरिश्चंद्र आमगावकर	सदस्य
१४.	सौ. मंदाकिनी गावंड	सदस्या

गैरहजर सदस्य -

१)	श्री. राजु यशवंत भोईर	सदस्य
----	-----------------------	-------

मा. सभापती :-

नमस्कार, सर्व सन्मा. सदस्य, सदस्यांचे स्वागत. सचिव साहेबांनी सभेच्या कामकाजाला सुरुवात करावी.

नगरसचिव :-

मिरा भाईंदर महानगरपालिकेची मा. स्थायी समिती सभा शुक्रवार दि. ३१/०१/२०१४ रोजी सकाळी ११.०० वाजता मिरा भाईंदर महानगरपालिका, स्व. इंदिरा गांधी भवन, मुख्य कार्यालय, दुसरा मजला, लाल बहादुर शास्त्री सभागृहात स्थायी समिती सभा सुचना क्र. २४, दि. २७/०१/२०१४ रोजीच्या विषयपत्रिकेवरील प्रकरणांवर विचार विनिमय करण्यासाठी आयोजित करण्यांत येत आहे. प्रकरण क्र. १४६ दि. १७/०१/२०१४ व दि. १७/०१/२०१४ (दि. १७/०१/२०१४ रोजीची तहकुब सभा) रोजीच्या मा. स्थायी समिती सभांचे इतिवृत्तांत कायम करणे.

प्रशांत दळवी :-

दि. १७/०१/२०१४ व दि. १७/०१/२०१४ (दि. १७/०१/२०१४ रोजीची तहकुब सभा) रोजीच्या मा. स्थायी समिती इतिवृत्तांतामध्ये मा. सदस्य यांनी सुचविलेल्या दुरुस्त्यांसह इतिवृत्तांत कायम करण्यांत येत आहे.

अश्विन कासोदरीया :-

माझे अनुमोदन आहे.

मा. सभापती :-

इतिवृत्तांत मंजूर करुन घेतो. आणि आपल्याला अनुपालन अहवालाबद्दल काय बोलायच असेल तर बोलून घ्या.

प्रभात पाटील :-

अनुपालनची प्रत नेहमी आपल्यासमोर येते तर यावेळी ती नाही. तर मी का नाही?

नगरसचिव :-

माझ्याकडून प्रत्येक विभागाला ठराव दिल्यानंतर मी तस कळवतो अनुपालनसाठी.

प्रभात पाटील :-

हे तर चुकीच आहे. आधी आपण ठराव करतो. त्याच्यापुढे काय होत.

मा. सभापती :-

इतिवृत्तांत मंजूर करुन घेतो. इतिवृत्तांत सर्वानुमते मंजूर करण्यात येत आहे. मा. आयुक्त साहेब आपण अनुपालनच जे बोलता त्याबद्दल सदस्यांना पुढची काय कारवाई झाली काय नाही हे सदस्यांना माहित पडत नाही.

राजेंद्र जैन :-

मा. सभापती महोदय, अभी मॅडम ने जो बोला अनुपालन अहवाल में पहले सचिव साहब से यह जानना चाहूंगा की, पिछले ६ मिटींग के अंदर क्या-क्या ठराव के अलावा सुचना। ठराव जो होता ही है वह पास होता है, लेकिन ऐसी क्या-क्या सुचना दी गई है जरा बताईए। किसे क्या-क्या सुचना दी गई है? आपको यहाँपर क्या-क्या सुचना दी गई है, या किस-किस अधिकारी ने बोला की ऐसा किया जाएगा ऐसी क्या-क्या जानकारी है आपके पास?

नगरसचिव :-

मेरे पास जो ठराव है वह मैंने उनके डिपार्टमेंटके पास भेज दिया उसके बाद उन्होंने क्या कारवाई की इसका मेरे पास लेखी कुछ नहीं है।

राजेंद्र जैन :-

आपके तत्व में नहीं आता है की, जब सभा चले हमने जो सवाल उठाया हमारा आपसे सवाल रहेगा सभा चलाने का अधिकार नगरसचिव का। हम नगरसचिव से पुछते है की, हमने लास्ट समय जो सुचना दि थी उसका पालन हुआ नहीं हुआ उसकी जिम्मेदारी किसकी है।

नगरसचिव :-

मेरे पास जो सुचना आयी थी रेकॉर्ड में जो हुई थी। रेकॉर्ड की सुचना होके मिनिट्स उनको बनाके दिया। मिनिट्स में सुचना आती है फिर उनका अनुपालन करना उस डिपार्टमेंट का काम है।

राजेंद्र जैन :-

अगर वह डिपार्टमेंट नहीं करता तो?

नगरसचिव :-

आप सभागृह तय करेंगे।

राजेंद्र जैन :-

हम यही सवाल पुछ रहे है ना। हमने सुचना दिया था। उस सुचना पर अभि तक मेरी ३-४ सुचना है। एक सुचना में ४-५ बार बोल चुका। कम्प्युटर क्लासेस या उस मशिनोका फोटोग्राफ चाहिए। मैंने मालुम किया और चालू भी किया। हमने आशंका भी की थी किस-किस तरीके से दुरुपयोग हो सकता है। वह फोटो यहाँपर अभितक नहीं आयी है। इस बारे में कैसे कारवाई की जाएगी।

नगरसचिव :-

आप डिपार्टमेंट से पुछो उन्होंने किया की नहीं।

राजेंद्र जैन :-

यहाँ पर डिपार्टमेंट नहीं है। यहाँपर स्टॅन्डिंग कमिटी का मेंबर बनने का मतलब क्या है।

प्रभात पाटील :-

त्यांच म्हणन बरोबर आहे.....

नगरसचिव :-

मी त्यांना सुचनेसह ठराव दिलेला आहे.

राजेंद्र जैन :-

पहले आपने उनको लेटर लिखा क्या सुचने पर कारवाई नहीं हुई अभीतक? आपने उनको बोला की, आपकी तरफ से कारवाई नहीं आयी है। आपने उनको बोला क्या आपके तरु से कार्यवाही नहीं आयी आपने उनको फॉल्डमें निकाला क्या आपन तक आपने लेटर लिख के दिया।

नगरसचिव :-

मेरे रजिस्टर में उनका साईन है। कार्यवाही करण्यास ठराव आपल्याला दिला जातो अशी सही आहे.

राजेंद्र जैन :-

ये सभा लगाने के पहले ये प्रस्ताव सुचना आपको दिया गया था, कार्यवाही नहीं हुई इस बारे में आप जवाब माँगेगे आप उनका स्पष्टीकरण माँगे पहले, सभा लगने के पहले।

नगरसचिव :-

लास्ट टाईम सभागृह बोला ना उनको सुचना मिली है की, जो ठराव अनुपालन के साथ

राजेंद्र जैन :-

आप अपना ये जो सभा लगती है नगरसचिव लगाता है। आप पिछली सभा में जो कुछ भी हुआ उसकी सुचना सचिव को दि जाती है। हम अधिकारी को नहीं देते। अधिकारी बोलते है नगरसचिव का काम है, वो कैसे पालन ना हो, आप उनसे लिखाके लो की नहीं हो रहा है काम तो यहाँ बोले अधिकारी काम नहीं करने स्वीकार करो उसको आप बोलो ना अधिकारी ने काम नहीं किया है।

नगरसचिव :-

मेरे पास जो सुचना उनको पहुँचा दी जो उन्होंने कार्यवाही नहीं की, लास्ट मिनिट जिसको दिया था उराव, सुचना दिया था वो मेरे पास लिखित नहीं आया है।

संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-

मा. सभापतीच्या परवानगीने बोलतो. फोटो काढलेले आहेत साहेब आणुन दाखवतो. आपल्या सुचनेप्रमाणे ट्रेनिंग चालू आहे. फेब्रुवारी लास्टपर्यंत आहे.

राजेंद्र जैन :-

पानपट्टे साहेब हमने फोटो निकाले है किसके उपस्थितीमें निकाले है।

संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-

हमारी ड्युटी है, इन्स्पेक्शन करके निकाले है।

राजेंद्र जैन :-

ये सुचना नहीं हुई थी, सुचना ये हुई थी उनके पेड स्टुडेंट नहीं हो उसके लिए सब स्टुडेंट एकसाथ फोटो कम से कम आयुक्त साहब या उपायुक्त साहब के साथ में उपायुक्त लेवल पर समजो चालीस बच्चे है। चालीस बच्चो १००-१०० करके एक साथ में फोटो लो ताकी हमको भी बुलाओं ताकी हम क्लॉज तय कर सके अगर आप अलग-अलग फोटो देंगे वो जो पेड स्टुडेंट आ रहे है फर्जी मिल जाएंगे हमारा सुचना करने का अर्थही खत्म हो जाएगा।

संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-

फोटो निकाला है, शूटिंग निकाला है। मैं अभी पर्सनल देखूंगा इसके बारे में दो-तीन बार मैं गया था महिना महिना चालू है ना ट्रेनिंग तो खत्म नहीं होने वाला है। आप भी आ सकते है और कोई भी नहीं होने वाला है। आप भी आ सकते है और कोई भी आ सकता है। आप अभी चलो आपको बताता हूँ मैं रोज ट्रेनिंग चालू है तिन महिने में ग्रुप फोटो निकाले है। अपने पास फोटो है।

राजेंद्र जैन :-

ग्रुप फोटो निकाले है।

संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-

ग्रुप फोटो निकाले है। अपने पास है।

दिपाली पोवार :-

मा. सभापती साहेबांच्या परवानगीने बोलते. ब्युटी पार्लर, टेलरिंगचे फोटो आम्ही स्वतः जाऊन काढलेले आहेत.

राजेंद्र जैन :-

ग्रुप फोटो निकाले है।

दिपाली पोवार :-

हा ग्रुप फोटो निकाले है मैं आपको दिखाती हूँ।

राजेंद्र जैन :-

हमने कहाँ था की जब भी आप फोटो निकालेंगे तो हम भी आके क्रॉस करेंगे। हम लोगो को क्यों नहीं बुलाया?

मा. अतिरिक्त आयुक्त :-

साहेबांना घेऊन जा. काही अडचण नाही सगळ्यांना विश्वासात घ्या. बघू द्या आणि मी तुम्हाला नेहमी सांगतो की, हे जे गेल्या वर्षी अनावश्यक पैसे खर्च झालेत. आपल्याला व्यवस्थित नियंत्रण त्याचा सदुपयोग झाला पाहिजे. सगळ्यांना विश्वासात घेऊन जा.

राजेंद्र जैन :-

आपकी पोस्ट बार-बार बदलती रहती है। तभी आप आए थे तभी यह सुचना नहीं थी। सुचना क्लिअर कट ये यह है की, आप चालू करने के पहले उनको सिलेक्शन करने के पहिले, उनका वेरिफिकेशन करने के पहले सक्षम अधिकारी उपस्थिती में स्टैंडिंग वाले नगरसेवक है। उनके उपस्थिती में हम सब पुछ सके की, आपको ऑलरेडी पैसा दिया है क्या? यही तो काम करना था। अब उसको वापस क्रॉस को कितना टाईम लगेगा। १०० स्टुडेंट के पास जाने में १०० इकट्टे आते थे हम लोग एक मिनिट में पुरा काम करते थे। अभी १०० जगह जाने का और पुछने का।

मा. अतिरिक्त आयुक्त :-

एम.एस.सी.आय.टी. ची किती मुल आलेली आहे.

दिपाली पोवार :-

सर, एम.एस.सी.आय.टी. चे १५ तारखेपासून गर्हमेंटच्या रुलप्रमाणे १५ तारखेपासून क्लासेस चालू आहेत. तर त्यांना ४० लोकांची ऑर्डर दिलेली आहे. पण थोडी मुल उपस्थित आहेत. त्यांच्या टाईमिंगनुसार ते येतात. एका ग्रुपने कुठली.

राजेंद्र जैन :-

मॅडम, आपने सुचना पढी थी वो सुचना क्या थी? सिलेक्शन देने के पहले उनको सिलेक्ट करने के पहले उनके फोटो निकाले जाए। हमें बुलाया जाए। यह सुचना थी। आप सुचना पढीए वापस।

दिपाली पोवार :-

फॉर्म सबमिशनच्या वेळेला आम्ही त्यांचे फोटो घेतो.

राजेंद्र जैन :-

वो फोटो अलग है। मैं आपको क्या बोल रहा हूँ, आप वो बात समझ रहे हैं। फोटो लेना, फोटो लगाना फॉर्म को वो अलग चिज है। आप जिनको दे रहे हैं वह उनके पे स्टुडन्ट है की, नही वह वेरिफाय करने के लिए सब के सामने सक्षम अधिकारी के उपस्थिती में सबलोग १००-१०० की बॅच बनाके आज इकट्ठे करके हम उनसे पुछ सके की, तुम्हारा नाम क्या है? तुम्हारा टेलिफोन नंबर क्या है? जो इसपे लिखा वो ही है? या तुमने प्रायव्हेट पैसा तो नहीं भरा हुआ है की प्रायव्हेट पैसा भी भरा है और यहाँ से भी सीख रहा है। यह तो मेन मुद्दा था। ये मुद्दा कहाँ सॉल्व हो रहा है।

दिपाली पोवार :-

या आठवड्यामध्ये मी तारिख घेऊन तुम्हाला सांगते.

राजेंद्र जैन :-

पर यहाँ मुद्दे पर पहले चार बार कैसे बोला

दिपाली पोवार :-

सर, एम.एस.सी.आय.टी. चे १५ तारखेपासून चालू आहे फक्त एम.एस.सी.आय.टी. अगोदर चालू नव्हते.

राजेंद्र जैन :-

हम बोल रहे है सिलेक्शन करने के पहले फोटो लेना चाहिए की, हमने इनको सिलेक्ट किया था फिर लेटर निकालते की ये लडके ऑथोराईज पाए गए है इनको सिलेक्शन किया गया है।

दिपाली पोवार :-

सर, मा. नगरसेवकांच्या शिफारसीनुसारच काढले जातात.

राजेंद्र जैन :-

हम जो बोल रहे है शिफारस पे आप ले लिए। वहाँ तक ठिक हैं। लेकिन उनको जब फायनल कर लिया उनकी क्लासेस चालू करने के पहले एक ग्रुप फोटो निकालने के लिए बोला था। या मे नही समजा पा रहा हूँ या फिर आप समज नही रहे है।

दिपाली पोवार :-

सर, प्रत्येक एरियामध्ये वेगवेगळे क्लासेस चालू असल्यामुळे प्रॉब्लेम येते.

मा. अतिरिक्त आयुक्त :-

डॉ.साहेब, ह्यामध्ये २ मुद्दे आहेत ते माझ्या लक्षात आले. MS-CIT मध्ये बोगसगिरी करायला Scope कमी आहे. दुसरी गोष्ट अशी आहे की, त्याचा जो रेट आहे तो इतका कॉम्पेटिटिव दिला आहे. तर MS-CIT मध्ये मुल मिळणार नाही अशी माझी शंका आहे. कारण ते पास झाल्याशिवाय आपण पैसे देणार नाही. उलट ज्यांनी कॉन्ट्रॅक्ट घेतले आहे त्यांच अस म्हणून होत की, आम्ही आमचे पैसे देवून पहिली फी भरायला मागणार आणि ही मुल जर सोडुन गेली तर आमच नुकसान होणार आहे.

राजेंद्र जैन :-

आप क्लासेस चलाते है आपके पास ऑलरेडी १०० लडके ऐसे है जो आपसे फिस लेके आपको देते है और सिखते है। वही लडके उस फिस में ना मानेंगे तो हमको कैसे मालुम पडेगा। वह पास भी हो जायेंगे। वह उनको प्रायव्हेट पैसा दिया हैं। यहाँपर नाम आजायेगा। वो कैसे चेक करेंगे आप हमारा सिर्फ यही मुद्दा है।

मा. अतिरिक्त आयुक्त :-

डॉ. फॉर्म आता पण नविन भरणार.

राजेंद्र जैन :-

साहब भरते है, मुझे मालुम है। आप क्लासेस चलाते है, आपके पास ऑलरेडी १०० लडके ऐसे है जो पैसा देके आपके पास प्रायव्हेट सिख रहे है। उस लिस्ट मे भी वही नाम नगरसेवक डिफिकल्ट होके आगए तभी आपको कैसे मालुम पडेगा।

मा. अतिरिक्त आयुक्त :-

ठिक आहे पण हा मुद्दा वेरीफाय करा परंतु दुसरी गोष्ट अशी आहे की, लार्जर इंटररेस्टमध्ये असा ही विचार करायची वेळ आहे गरज आहे की एखादा मुलगा ही स्किम नाही म्हणुन MS-CIT मध्ये शिकत असेल. आता ही सर्वासाठी स्किम लॉज केली आहे. त्यांनी समजा इकडे आले तर What is the Wrong?

राजेंद्र जैन :-

हम कहा बोल रहे है राँग, हम तो अच्छा ही बोल रहे है ना। हम यह कह रहे है जिन-जिन लोगों को लिया है उन लोगों का वो ऑलरेडी पे स्टुडंट नहीं होना चाहिए। उनको डबल खर्चा नहीं होना चाहिए उसके लिए क्रॉस वेरीफाय होना चाहिए।

रोहिदास पाटील :-

सर्टिफिकेट सिंगल मिलेगा।

राजेंद्र जैन :-

सर, आप कॉलेज चलाते है और आपका फ्रि स्किम भी है की इसका पैसा आपको गर्हमेंटसे मिलेगा। और वो लडके आपका प्रायव्हेट स्किम भी है। जिसमे पैसा लेके आप सिखाते है। आप उन्ही लडको का नाम उस लिस्ट डाल दोगे, फोटो डाल दोगे तो वो लडके पास भी होंगे, सिखेंगे भी, उनको कभी मालुम नहीं पडेगा की हमने पेड मे किया और उनका नाम साईन करेगा चलानेवाला। इसलिए हमने बोला था।

मा. सभापती :-

अभि आपका कहना क्या है की, उनका पहला फोटो लेना चाहिए।

राजेंद्र जैन :-

सुचना दिया था। कहना नहीं है।

मा. सभापती :-

आपकी जो सुचना है की पहला उनका फोटो लेना चाहिए।

राजेंद्र जैन :-

ग्रुप फोटो अधिकारियोंके उपस्थिती मे उसमें कम से कम २-४ नगरसेवक हो.....

मा. सभापती :-

डॉ. साहेब, एक बात ध्यान मे रखो २-३-४ नगरसेवक होने दो नही जिनको इंटररेस्ट है वो जायेंगे। तुम्ही सुचना द्या आणि ग्रुप फोटो काढून द्या.

प्रशांत दळवी :-

मा. सभापती महोदय, मा. आयुक्त महोदय, ह्याच विषयावर आपण MS-CIT चे १५ तारखे पासुन क्लासेस सुरु केले त्याच्या अगोदर ब्युटीपार्लरचे शिवण क्लासेस चालू आहे. तुम्ही नगरसेवकांना सांगितल का की, हे सगळे क्लासेस सुरु झाले, तुम्ही आम्हाला कळवल का हे स्टुडंट मिरा भाईंदर च्या बाहेरचे आहेत का?

दिपाली पोवार :-

सर, तुमच्या ही वॉड मध्ये प्रशिक्षण चालू आहे.

प्रशांत दळवी :-

तुम्ही आम्हाला कळवल का आम्हाला फॉर्म दिले का वितरीत करायला

दिपाली पोवार :-

सगळ्यांना फॉर्म पोहचले आहेत.

प्रशांत दळवी :-

तुम्ही मला दिले का माझ्या विषयी सांगा मला तुम्ही दिले. मला तुमच्या विभागाच पत्र आहे का.

दिपाली पोवार :-

आहे सर.

प्रशांत दळवी :-

मला पत्र आहे दाखवा माझी सही कुठल्याच नाही, MS-CIT वैगेरे कुठलेच नाही आणि कसल्याही विभागाचे मला पत्र आलेल नाही.

दिपाली पोवार :-

सर, MS-CIT चे वेगवेगळे फॉर्म नाही एकाच फॉर्म मध्ये आहे. ते प्रशिक्षणाच्या प्रकार मध्ये फॉर्म

प्रशांत दळवी :-

शिलाई मशिन मी तुम्हाला सांगतो त्याच ही आलेल नाही. ब्युटी पार्लरच ही आलेल नाही.

मा. सभापती :-

सन्मा. सदस्य दळवी साहेब, विषय पत्रिकेच्या जोडीला त्याची पत्र पाठवली आहे. सगळ्या नगरसेवकांना.

प्रशांत दळवी :-

मला मिळालेले नाही.

मा. सभापती :-

मला मिळालेले आहे. आता त्यांना मिळाल की नाही ते मला माहित नाही.

रोहिदास पाटील :-

पत्र मिळालेले आहे पण तुम्हाला ही अडचण आहे का, ज्या प्रभागामध्ये तुम्ही सेंटर चालू करता. तिकडेच २ नगरसेवक आहेत त्या २ नगरसेवकांना कळवायला काय होते.

प्रशांत दळवी :-

कळवायचा प्रश्न नाही. आम्हाला आज सदस्य जर तिकडे पाठवायचे आहेत तर उदया माझ्याकडे फॉर्म नको का? मला फॉर्म दिले असते कळवल असत तर मी पण ते फॉर्म वितरित केले असते ना. माझ्याकडे फॉर्म पाठवलेले का नाही पाठवले.

दिपाली पोवार :-

वैयक्तिक कोणालाही पाठवलेल नाही, सभा सुचना सोबत मी सगळ्याच नगरसेवकांना पत्र पाठवलेली आहेत. आणि पूर्ण सगळ्या योजनेच बंच आहे.

मा. अतिरिक्त आयुक्त :-

गेल्यावर्षी मोठ्या प्रमाणात ह्याच्या वर खर्च पडला होता. ह्यावर्षी आमच्या लक्षात जेव्हा आल की काही गोष्टी कळाल्या नंतर की अनावश्यक पैशाचा दुरुपयोग होतो तो होऊ नये. खऱ्या अर्थाने जे लाभार्थी आहेत. त्यांनाच ह्याचा फायदा व्हावा. म्हणून आम्ही ब्युटी पार्लर मध्ये १० लाख रु. केले होते. पण काल मला कळाल की १० चे २० झाले. त्याच्यानंतर आम्ही ४-५ एकस्पर्ट ब्युटी पार्लर वाल्यांना वेगवेगळे बोलवून त्यांच्याकडून माहिती घेवून की, ह्या कोर्स मधुन आम्ही ह्या लोकांकडुन काय अपेक्षित केल पाहिजे नाहीतर नुसतच चूना लावला आणि लोकांकडुन पैसे घेतले आणि डूबवले अस व्हायला नको.

प्रशांत दळवी :-

Agree Sir, पण आम्ही असा पण आरोप करत नाही की त्याचा कुठे दुरुपयोग होतो. परंतु MS-CIT चे क्लासेस १५ तारखे पासुन सुरु झाले. ब्युटी पार्लस चे चालू झाले कुठे चालू झाले काय चालू झाले आम्हाला माहित आहे का.

मा. सभापती :-

मॅडम, तुम्ही नगरसेवकांना परत एक-एक बंच पाठवून द्या. प्लस जशी सदस्यांची सुचना आहे. ज्या प्रभागात प्रशिक्षण देतात त्या प्रभागात जे २ नगरसेवक आहेत त्यांच्या बॉऊन्ड्रीवरचे २ नगरसेवक आहेत. त्यांना फोनवर तुम्ही कळवा त्याची माहिती द्या.

राजेंद्र जैन :-

लास्ट टाईम में और डिस्कशन हुआ था की, ब्युटी पार्लर के प्रशिक्षण में क्या-क्या चिज सिखाई जायेगी सिलाई प्रशिक्षण के अंदर क्या-क्या कोर्स रखेंगे उनका एक्झामिनर है वह सेकंड में होगा। अॅडमिट कर रहा है वही पार्ट नहीं करेगा उसके लिए सेकंड लिखी जायेगी। यह सब मेने डिस्कस किया था। और पाटील साहब ने माना भी था। उसके उपर अभितक क्या कारवाई हुई।

दिपाली पोवार :-

ITI, ब्युटी पार्लर आणि शिवन कामाचा जो ITI सिलॅबस आहे. तोच अॅग्रीमेंटवर आम्ही त्यांच्याशी करुन घेतलेला आहे.

राजेंद्र जैन :-

मॅडम, जिस टाईम मेने पुछा था, उस टाईम आपने बोला कुछ नहीं तो.....

दिपाली पोवार :-

कब.

राजेंद्र जैन :-

यहा चर्चा हुई थी ना की, पाठ्यक्रम क्या होगा तब आपने बोला नहीं यह पाठ्यक्रम आप मुझे आज ही अॅग्रीमेंट की कॉपी दे दिजिए।

दिपाली पोवार :-

अॅग्रीमेंट की, कॉपी देती हूँ।

राजेंद्र जैन :-

उसका एक्झाम कौन लेगा अगर मे क्लासेस चला रहा हूँ, और मे ब्युटी पार्लस के बच्चे को admit कर रहा हूँ, और मे इनको पास कर रहा हूँ तो इसकी उपयोगिता कितनी.

दिपाली पोवार :-

ITI के लोगो को अपॉईंट करेंगे लास्ट मे ३ महिने का कोर्स रहता है, वह अभितक खतम नहीं हुआ है।

राजेंद्र जैन :-

तो ये जानकारी आप पहले से दे सकते थे ना आपने किसीको जानकारी दि। किसीको मालुम है की ITI वाले आके चेक करते है।

दिपाली पोवार :-

ITI वाले अभि नहीं एक्झाम के टाईम चेक करेंगे।

राजेंद्र जैन :-

आप के कल्पना में है ना की, ऐसा करेंगे । तो आप पहले क्यों नहीं बाले।

दिपाली पोवार :-

है ना।

राजेंद्र जैन :-

तो आप पहले क्यों नहीं बोले।

दिपाली पोवार :-

सर, कभी पूछा ही नहीं, आजही पुछा।

मा. सभापती :-

ठिक आहे आता जे काही झाल त्याची सविस्तर माहिती देत रहा.

प्रशांत दळवी :-

मा. सभापती महोदय, आज अनुपालन अहवाल आलेला नाही. परंतु ज्यावेळेला अनुपालन अहवाल येतो, त्याच्या समोर अस म्हटल की, पुढील कारवाईसाठी पाठविण्यात आलेला आहे. गेल्यावेळेला आयुक्त साहेब आपण नव्हता ढगे साहेब होते. ह्या ठिकाणी असे विषय आमच्याकडून करून घेतले जातात. परंतु त्याची अंमलबजावणी होत नाही. मग पुढील कारवाई म्हणजे काय संबंधित विभागाकडून आम्हाला उत्तर त्या संदर्भातिल हवे. पुढच्यावेळेला ज्यावेळेला मिटिंग सुरु कराल त्यावेळेला तुम्ही आम्हाला अनुपालन अहवाल तर देणारच चार लाईनचा की, पुढील कारवाईसाठी पाठवला आहे. पण कारवाई काय केली ते संबंधित विभागाकडून आम्हाला ती माहिती हवी ती वाक्य नको. त्याच्याने कुठलच निष्पन्न होत नाही. आजपर्यंत जेवढे काही ठराव झाले त्याच्यावर अंमलबजावणी होत नाही. आणि गेल्यावेळेला आयुक्त महोदय एक ठराव मांडला होता तर त्याच्यावर काय कारवाई झाली त्याच मला स्पष्टीकरण हवे. डॉ. दिपक सावंत च्या हलगरजी पणामुळे ठराव मांडला होता.

मा. अतिरिक्त आयुक्त :-

अनुपालन अहवालाची ती सिस्टम आपण चालू करतो ते प्रत्येक डिपार्टमेंटला झालेला ठरावाच काय करायचे आहे ते

प्रशांत दळवी :-

धन्यवाद साहेब.

रोहिदास पाटील :-

सचिव साहेब सभा चालवते वेळी आम्ही तुम्हाला मान देतो. डॉ.साहेबांनी विचारल तुम्ही उत्तर दिल आमची अशी अपेक्षा आहे, सभापती साहेब ज्या खात्याचा अधिकारी उपस्थित असायला हवेत. तुमचा काम नाही. तुम्ही हो ला हो म्हणता तुम्ही पण अडचणीत येता आम्हाला ही अडकवाल आम्हाला ही ति का काही बोलता येत नाही. हे डिपार्टमेंट ली सभापतीने त्या डिपार्टमेंट च्या अधिका-यांना उभ करायच. त्यांनी आम्हाला उत्तर दिली पाहिजे तुम्ही नाही.

राजेंद्र जैन :-

इसमे मे करेक्शन करुंगा, काका यह बात बोल रहे है तो आप गोषवारा के साथ ही भेजीए की, यह सुचने पर कारवाई नहीं हुई। तो हम सभा के पहले उनसे जाके बात कर सकते है। आप गोषवारा टाईप करके भेजीए, की इसमे आपका काम नहीं हुआ। गोषवारा के साथ मे भेजीए की, यह सुचना दिया था, और उस सुचना पर कोई उनके डिपार्टमेंट से नहीं आया। कारवाई नहीं हुई, ऐसा छापके भेजीए।

मा. सभापती :-

मा. आयुक्त साहेब त्यावेळेला जो ठराव झाला त्या ठरावावर प्रभात ताई मॅडमची सुचना सुध्दा आहे. आणि त्याच्यावर नक्की काय कारवाई झाली. ते आता तुम्ही सांगता की, आयुक्त साहेबांशी अजून बोलण केल नाही त्याच काय आहे ते निर्णय एकदा झाला पाहिजे ना.

प्रशांत दळवी :-

साहेब, एकतर निर्णय नसेल होत ना किंवा विखंडीत कारायला पाठवला असेल तर त्यावर काय निर्णय झाला हे पण पुढच्या वेळेला कळेल तर बर हाईल कारण ठराव सर्वानुमते पास करून पाठवलेला आहे.

प्रकरण क्र. १४६ :-

दि. १७/०१/२०१४ व दि. १७/०१/२०१४ (दि. १७/०१/२०१४ रोजीची तहकुब सभा) रोजीच्या मा. स्थायी समिती सभांचे इतिवृत्तांत कायम करणे.

ठराव क्र. १३७ :-

दि. १७/०१/२०१४ व दि. १७/०१/२०१४ (दि. १७/०१/२०१४ रोजीची तहकुब सभा) रोजीच्या मा. स्थायी समिती इतिवृत्तांतामध्ये मा. सदस्य यांनी सुचविलेल्या दुरुस्त्यांसह इतिवृत्तांत कायम करण्यांत येत आहे.

**सुचक :- श्री. प्रशांत दळवी अनुमोदक :- श्री. अश्विन कासोदरिया
ठराव सर्वानुमते मंजूर**

सही/-

सभापती

स्थायी समिती

मिरा भाईंदर महानगरपालिका

नगरसचिव :-

प्रकरण क्र. १४७, मिरा भाईंदर महानगरपालिका क्षेत्रातील विविध उद्यानात, नविन खेळणी, बेंचेस पुरवठा करून बसविणे व जुनी खेळणी दुरुस्ती करणे कामाबाबत.

रोहिदास पाटील :-

ह्या सभागृहामध्ये, डॅंग्यु ही चर्चा करुन परीपूर्ण ठराव आणा असं सभापती साहेबांनी रूलिंग दिल होत. डॅंग्युची साथ संपली की, डॅंग्युच्या पेशन्ट ला काय दिल की नाही? की, नुसत सभापती साहेबांनी होकार दिला आणि काम संपल नक्की काय? त्याची काय प्रोसिडींग, तुम्ही ठराव काय केला, काय नाही? पानपट्टे साहेब तुम्ही कोणाला पैसे दिले का?

संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-

मा.सभापती साहेबांच्या परवानगीने बोलतो,त्याच्यामध्ये ठराव झालेला नाही मी प्रोसिडींगमध्ये बघितल.

रोहिदास पाटील :-

करायची तुमची इच्छा नाही का? तुम्हाला असे स्पष्ट सांगा की, ह्या गोष्टी प्रशासणाला परत नाही. तुम्ही त्याच काय केल?

संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-

ठरावच झाला नाही.

रोहिदास पाटील :-

लोकांना पैसे पाहिजे गरजवंत पैसे मागतो, आम्हाला अस वाटते की त्यांना पैसे द्यायला पाहिजे, आम्हाला अस वाटते की महानगरपालिका सक्षम आहे. डॅंग्युच्या गरजू माणसांना पैसे मिळायला पाहिजे तुमच काय धोरण आहे?

संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-

काका, ठराव झालेला नाही. प्रोसिडींग मध्ये बघतो ठराव कुठेच झाला नाही.

मुन्ना सिंग :-

पानपट्टे साहेब, अभि बोल रहे हे वापस देखता हूँ। बादमे बोलते है ठराव नही हुआ।

संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-

ठराव झाला नाही.

मुन्ना सिंग :-

ऐसा कैसा बोल रहे हो।

संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-

द्या मला ठराव मग मी कारवाई करतो मला ठराव मिळालेला नाही.

मुन्ना सिंग :-

सचिव साहेब, ठराव हुआ या ना हम लोगोंका ठराव कहा चला जायेगा? हम लोग ने एकमत से ठराव दिया था।

रोहिदास पाटील :-

तुम्ही दुरुस्तीला प्रोसिडींग दुरुस्त करताना, तुम्ही सांगितल आम्ही केलेल भाषण ह्याच्यामध्ये आला नाही. सचिव साहेब त्याच पध्दतीने ह्यांच्या हो ला हो ने तुम्हाला अस वागायच असेल तर मी या सभेत तुम्हाला जाणीव देतो की, तुम्हाला ते भारी पडेल अडचणीत आहे. ह्यांचा हेतु स्पष्ट नसेल तर आम्ही इकडे झोपेत नाही. तुम्ही सांगा ना देता येत नाही म्हणुन नियमात नाही आम्ही आणतो ते नियमात आहे. आणि ते पैसे मिळायला पाहिजे त्यावेळी नक्की ठरल होत की, सगळें अधिकारी आहेत. तेव्हा आम्ही सांगितले २५००० रु. ह्यांची सुचना होती १५००० रु. १५ हजार नंतर अशी सुचना होती आपण कोणीतरी केल होत ठाण्यावरून आणा.तेव्हा आपण सांगितल होत की, ठाण्याला माणुस जावूच शकणार नाही. आपल्याकडे सक्षम अधिकारी आहेत. त्यांच्या सहीने ते झाल पाहिजे. असा झालेला स्पष्ट ठराव तुम्ही कुठे घालवला सचिव साहेब, तुमच्यावर माझा आरोप आहेत अस काम चालूच देणार नाही आम्ही.

संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-

मला ठराव आला नाही ठराव आरोप लावायचा प्रश्नच येत नाही. तुमच्या ठरावाची प्रत दाखवा मला.

रोहिदास पाटील :-

दाखवू.

संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-

मला ठराव मिळालाच नाही. नाहीतर मी कारवाई केली असती.

प्रशांत दळवी :-

पानपट्टे साहेब, आपला त्रैमासिक अहवाल मध्ये रेकॉर्डवर आलेला आहे.

संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-

कुठे आहे?

प्रशांत दळवी :-

त्रैमासिक अहवाल मध्ये आलेल आहे.

अनिता पाटिल :-

पानपट्टे साहेब, तुम्ही सहज नाकारता,कबुल तर करा झालेल होत म्हणुन माझ्या नजरेस नाही आल असे म्हणा माझ्या जवळ आलच नाही झालच नाही अस नाही बोलु शकत तुम्ही.

रोहिदास पाटिल :-

मा. सभापती साहेब,मी सांगतो मी सदस्य पदाचा राजीनामा देईन ह्या स्टॅन्डिंगच्या. अस नाही येत आम्ही २० रु. चा पगार घ्यायला.

मा. अतिरिक्त आयुक्त :-

ठिक आहे काका डॉ. साहेब पानपट्टे साहेब तुम्ही बघुन घ्या. अस अचानक उत्तर देवू नका एकदा खात्री करा. ठरावाच्या पध्दतीने सगळे सबमीट

रोहिदास पाटिल :-

मी चार अधिका-यांची साक्ष देवू शकतो सांगाव ना आम्ही खोट बोलतो सांगु दया त्यांनी खर बोलावना ते बोलतील हे बोलतील. जून सदस्य मिरादेवी बोलतील.

मा. अतिरिक्त आयुक्त :-

काका, साक्ष द्यायची गरज नाही प्रोसिडींग मध्ये आपल्याला सापडेल. आणि समजा त्यावर कारवाई झाली नसेल तर योग्य ती कायदेशिर.....

संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-

काका, चर्चा झाली होती. पण ठराव झाला नव्हता. ठराव करुन दयाना.

प्रशांत दळवी :-

चर्चा पूर्ण इतिव्रतांतामध्ये आलेल आहे.

संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-

तुम्ही सगळ्यांना विचारा चर्चा झाली डॉ. साहेबांना विचारा की, चर्चा झाली होती ते ठराव पाहिजे काका इम्प्लीमेंट करायला ठराव नको का आम्हाला.ठराव झाला नव्हता.

रोहिदास पाटिल :-

तों कधी घेणार?

संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-

आता आयतावेळेस विषय घेवून ठराव करा.

राहिदास पाटिल :-

आजच्या मिटिंगला ठराव घ्यायचा?

संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-

घ्या.

मा. अतिरिक्त आयुक्त :-

काका, थोडीशी घाई होईल. विचारपूर्वक ह्याच्यावर काम केल पाहिजे. अशापध्दतीने ठराव करुन प्रश्न मिटणार नाही. ही धोरणात्मक बाब आहे. ही जनरल बॉडीच्या पूढे ते गेल पाहिजे. कारण, आर्थिक बाब आहे. नुसत (स्टॅन्डिंग) मध्ये ठराव करुन प्रश्न सुटणार नाही माझी विनंती राहिल. हा स्टॅन्डिंगचा विषय नाही धोरणात्मक बाब आहे. जनरल बॉडीच्या पुढे जाव लागेल.तर आपल्याला एखाद्या आर्थिक आणि प्रशासकीय दोन्हीचा संबंध आहे. नंतर अमलबजावणीसाठी स्टॅन्डिंग पूढे घेवू.

रोहिदास पाटिल :-

मिरा-भाईदर महानगरपालिका क्षेत्रातील विविध उद्यानात, मैदानात व इतर ठिकाणी नविन खेळणी, बेंचेस पुरवठा व जुनी खेळणी दुरुस्ती करणेकामी मा. आयुक्त साो. यांच्या दि.१६/०५/२०१३ रोजीच्या मान्यतेने (निविदा प्रसिध्दीस) दि.१३/०६/२०१३ रोजीच्या जाहीर निविदा सुचनेप्रमाणे दै.खबर आजतक, दै.प्रहार या वृत्तपत्रात तसेच E-Tendering प्रणालीद्वारे जाहीर निविदा मागविण्यात आल्या होत्या. त्यानुसार मे. अरिहंत इंडस्ट्रीयल कार्पोरेशन लि., मे.बाबा प्ले वर्ल्ड व मे. हनी फन एन-श्रील कंपनी यांच्या कमी दराच्या विविध नविन खेळणी, बेंचेस पुरवठा व खेळणी दुरुस्ती करणेबाबतच्या तीन निविदेस मा.आयुक्त साो., यांनी दि.०४/०९/२०१३ रोजी मंजुरी दिलेली आहे. तसेच प्राप्त वार्षिक कमी दराच्या निविदा स्विकारणेस मा. स्थायी समिती सभा ठराव क्र. ८२ दि.२६/०९/२०१३ अन्वये मान्यता देण्यात आलेली आहे. मिरा भाईदर महानगरपालिका क्षेत्रातील विविध उद्यानात खालील ठिकाणी नविन खेळणी पुरवठा करुन बसविणे व जुने खेळणी दुरुस्ती करणे आवश्यक आहेत.

अ.क्र	प्रभाग क्र.	कामाचा तपशील	ठेकेदाराचे नांव	एकुण रक्कम
१)	प्रभाग क्र. २१	राव तलाव उद्यान, भाईदर (प.) येथे नविन खेळणी व बेंचेस पुरवठा करुन बसविणे.	मे. हनी फन एन-श्रील कंपनी	रु.१०,९२,१५३/-
२)	प्रभाग क्र. २८	भाईदर (प.) मनपा शाळा क्र.१६,१७,१८ मधील मोकळ्या जागेत बालवाडी मुलांसाठी नविन खेळणी व बेंचेस पुरवठा करुन बसविणे.	मे. अरिहंत इंडस्ट्रीयल कार्पोरेशन लि.	रु. ७,०१,५७४/-

३)	प्रभाग क्र. २४	मोर्वा भाट मंदिराजवळ, सुर्यनारायण मंदिराजवळ, राईगाव मैदान इ.ठिकाणी नविन बेचेंस पुरवठा करुन बसविणे	मे. अरिहंत इंडस्ट्रीय कॉर्पोरेशन लि.	रु. २,६६,४००/-
४)	प्रभाग क्र. ३६	शांतीपार्क, पुनमनगर फेज-३, मिरारोड(पूर्व) येथे नविन खेळणी व बेचेंस पुरवठा करुन बसविणे.	मे. हनी फन एन-श्रील कंपनी मे. अरिहंत इंडस्ट्रीय कॉर्पोरेशन लि.	रु.१३,८३,९५४/-
५)	प्रभाग क्र. ३०	अल्लाहजरत रजा खॉ मैदान, मिरारोड(पूर्व) येथे नविन खेळणी व बेचेंस पुरवठा करुन बसविणे.	मे. हनी फन एन-श्रील कंपनी मे. अरिहंत इंडस्ट्रीय कॉर्पोरेशन लि.	रु.३,४४,८७४/-
६)	प्रभाग क्र. ३६	शांतीनगर, सेक्टर-६ उद्यान, मिरारोड(पूर्व) येथे नविन खेळणी व बेचेंस पुरवठा करुन बसविणे.	मे. हनी फन एन-श्रील कंपनी	रु. २४,८७,२८९/-
७)	प्रभाग क्र. ३९	प्रभाग समिती क्र. ०५ मधील विविध उद्यानामध्ये नविन खेळणी व बेचेंस पुरवठा करुन बसविणे. अ) शांतीनगर सेक्टर-९ मधील, लोकमान्य टिळक उद्यान.	मे. अरिहंत इंडस्ट्रीय कॉर्पोरेशन लि.	रु.१८,४८,९७४/-
	प्रभाग क्र. ३८	ब) शांतीनगर सेक्टर-११ मधील सी-१९ (मौलाना अब्दुल कलाम मैदान) क) शांतीनगर सेक्टर-११ मधील सी-२६ (इंदिरा गांधी मैदान) ड) सेक्टर-२ (सच्चिदानंद उद्यान) इ) शांतीनगर सेक्टर-४ मैदान) ई) व इतर ठिकाणी		
८)		प्रभाग समिती, कार्यालय क्र. ३ , गुलाब बाग, जेसलपार्क, चौपाटी येथे नविन बेचेंस पुरवठा करुन बसविणे.	मे. अरिहंत इंडस्ट्रीय कॉर्पोरेशन लि.	रु. १३,३२,०००/-
९)	मनपा क्षेत्रातील सर्व ठिकाणी	मनपा क्षेत्रातील विविध उद्यानातील जुनी खेळणी दुरुस्ती करुन रंगरंगोटी करणे.	मे. बाबा प्ले वर्ल्ड	रु. २५,२९,१००/-
१०)	प्रभाग क्र. २८	अ) ठाकुर गल्ली शिवसेना वाचनालय जिगनेश अपार्टमेंट समोर, भाईदर (प.) येथे नविन बेचेंस पुरवठा करुन बसविणे. ब) प्रभाग कार्यालय १ समोरील भाईदर (प.) शिवसेना शाखेसमोर येथे नविन बेचेंस पुरवठा करुन बसविणे.	मे. अरिहंत इंडस्ट्रीय कॉर्पोरेशन लि.	रु. १,३३,२००/-
११)	प्रभाग क्र. ४१	प्रभाग क्र.४१ मध्ये विविध ठिकाणी नविन बेचेंस पुरवठा करुन बसविणे. (BLOSSM BENCH)	मे. हनी फन एन-श्रील कंपनी	रु. ५,८६,५००/-
१२)	प्रभाग क्र. २४	धारावी देवी मंदीर डोंगरी येथे नविन खेळणी व बेचेंस पुरवठा करुन बसविणे.	मे. हनी फन एन-श्रील कंपनी	रु. ९,९०,३३१/-

१३)	प्रभाग क्र. १३	प्रभाग क्र. १३ मधील इंदिरा गांधी तलाव उद्यान येथे येथे नविन खेळणी व बेचेंस पुरवठा करुन बसविणे.	मे. हनी फन एन-श्रील कंपनी	रु. ८,९७,४२४/-
१४)	प्रभाग क्र. ४६	प्रभाग क्र. ४६ मधील जरीमरी तलाव व इतर ठिकाणी नविन बॅचेस पुरवठा करुन बसविणे.	मे. हनी फन एन-श्रील कंपनी	रु. ३,५१,९००/-
१५)	प्रभाग क्र. ३८	प्रभाग क्र. ३८ मधील सेक्टर १ मध्ये इमारत क्र.१ बी/५१,५२ व Y-६३ येथील मैदानात येथे नविन खेळणी व बेचेंस पुरवठा करुन बसविणे.	मे. अरिहंत इंडस्ट्रीयल कॉर्पोरेशन लि.	रु. १४,९१,७२७/-
१६)	प्रभाग क्र. ८	आरक्षण क्र. १११, भाईदर पुर्व येथे नविन खेळणी व बेचेंस पुरवठा करुन बसविणे. (BLOSSM BENCH)	मे. हनी फन एन-श्रील कंपनी	रु. ५,००,०००/-
१७)	प्रभाग क्र. ४	प्रभाग क्र. ४ मध्ये नविन खेळणी व बेचेंस पुरवठा करुन बसविणे.	मे. हनी फन एन-श्रील कंपनी	रु. ५,००,०००/-
१८)	प्रभाग क्र.२७	समाज मंदीर, आंबेडकर नगर, भाईदर (प.) येथे नविन बॅचेस पुरवठा करुन बसविणे.	मे. हनी फन एन-श्रील कंपनी	रु. २,२२,०००/-
१९)	प्रभाग क्र. ३१	जुने क्विन्स पार्क येथे नविन खेळणी व बेचेंस पुरवठा करुन बसविणे.	मे. हनी फन एन-श्रील कंपनी	रु. ५,००,०००/-
२०)	प्रभाग क्र. ४३	जुना प्लेझंट पार्क येथे नविन खेळणी व बेचेंस पुरवठा करुन बसविणे.	मे. हनी फन एन-श्रील कंपनी	रु. १०,००,०००/-
२१)	प्रभाग क्र. १२	भाईदर (पूर्व) नवघर मैदानामध्ये खेळणी व बेचेंस पुरवठा करुन बसविणे	मे. हनी फन एन-श्रील कंपनी	रु. १०,००,०००/-
		एकुण		रु. २,०१,५९,४००/-

तरी उपरोक्त तक्त्यात नमुद केल्याप्रमाणे मागणी केल्यानुसार नविन खेळणी व बेचेंस पुरवठा करणेकामी उद्यान/दुभाजक सुशोभिकरण करणेकामी या लेखाशिर्षाखाली रुपये १०००.०० लाख (रु.दहा कोटी) ची तरतुद केलेली आहे. सदर तरतुदीमधून एकूण रु. २,०१,५९,४००/- (रु. दोन कोटी एक लाख एकोणसाठ हजार चारशे मात्र) तरतुद उपलब्ध करुन देण्यात येत आहे. तसेच माहे मे-२०१४ पर्यंतच्या नविन खेळणी व बेचेंस पुरवठा करुन बसविणेकामी मागणी होण्याची शक्यता विचारता घेता अंदाजे रु. २५,००,०००/- (रु.पंचवीस लाख मात्र) असा एकुण २,२६,५९,४००/- (रु. दोन कोटी सहवीस लाख एकोणसाठ हजार चारशे रुपये मात्र) एवढ्या खर्चास मा. स्थायी समिती सर्वानुमते मंजुरी देत आहे असा ठराव मांडण्यात येत आहे.

हरिश्चंद्र आमगावकर :-

या ठरावाला माझे अनुमोदन आहे.

प्रभात पाटील :-

ह्याच्यामध्ये हे पान नाही.

मा. सभापती :-

ठराव मांडतात, ठराव मांडल्यानंतर बोलतो.

प्रभात पाटील :-

पहिली आम्हाला (कॉपी) द्या नंतर वाचा.

प्रशांत दळवी :-

मॅडम, पहिला ठराव वाचू द्याना नंतर चर्चा करा.

हंसुकुमार पांडे :-

दळवी साहेब अस कस काय?

अनिता पाटील :-

मेन ठराव आहे तो वाचून मग ती सूचना द्यायला पाहिजे होती.

हंसुकुमार पांडे :-

माननीय सभापती महोदय, पहले हमको उसका (कॉपी) दो खाली आपके लोगोंके पास ही (कॉपी) है, हमलोगो को (कॉपी) दिया नहीं। ऐसा थोड़ी होता है। आपलोग लेके बेटेगा और हमलोग नहीं। मिलाग सिर्फ खाली हात बेटनेका। आप जो बोलते है हम वही सुनने का क्या। हमलोग (सभागृहात गोंधळ)

अनिता पाटील :-

काका, तुम्ही ज्येष्ठ नगरसेवक आहेत. आम्ही तुमच्या आदर्शापासून आम्ही चालणारे नगरसेवक आहेत. तुम्ही अशाप्रकारे ठराव वाचाल हे अपेक्षित नाही.

हंसुकुमार पांडे :-

काका, आप हर जगह कायदे का पालन करते हो, इधर भी कायदे का पालन करो। ऐसा मत किया करो।

प्रभात पाटील :-

तुमचा ठराव मान्य हाईल ते मान्य आहे आम्हाला पण सगळी कॉपी आली पाहिजे.
(सभागृहात गोंधळ)

हरिश्चंद्र आमगावकर :-

माझे अनुमोदन आहे.

हंसुकुमार पांडे :-

मा. सभापती महोदय, उद्यान मे इतना पैसा आजकी तारिख मे खर्चा करना जरुरी था क्या? भले तरतुद है १० करोड का? लेकिन आपलोगोंको दिखाई नहीं दे रहा है क्या कि, मिरा-भाईंदर के शहर मे एक भी रोड, रस्ता अच्छा नहीं है।

अश्विन कासोदरिया :-

मेरे प्रभाग में ऐक भी गार्डन नहीं है। इतने साल से आपके नगरसेवक थे फिर भी हमारे वॉड मे गार्डन चाहिए की नहीं? बच्चो को खेलने के लिए चाहिये की नहीं?

हंसुकुमार पांडे :-

हमने गार्डन नहीं बनाने का ऐसा नहीं कहाँ गार्डन बनाओ।

अनिता पाटील :-

एवढ्या खेळण्यांची आता आवश्यकता आहे का?

प्रशांत दळवी :-

लास्ट साल सिर्फ ६० लाख की, निधी मंजूर करके हमने दी थी। जब की, आपके राजवटी मे आपके जो सदस्य थे। उन्होंने १० कोटी का सॅन्शन मांगा था। यह स्टॅडींग कमिटी मे १० कोटी का सॅन्शन मांगा था। हमारे काका के निदर्शन मे आया था।

मुन्ना सिंग :-

मा. सभापती साहेब, भुल मे हुआ था कुछ भी मत बोलो।

अनिता पाटील :-

दळवी साहेब, तो ठराव तुम्हाला ही माहित आहे. तो ठराव नजर चूकीने झाला होता ते तुम्हाला ही माहित आहे.

प्रशांत दळवी :-

मान्य आहे.

वंदना पाटील :-

मा. सभापती साहेब, तुम्ही सांगितल की, तुम्ही खेळणाला एवढा बजेट केला. मी रोडचा विषय मागे काढला होता. तेव्हा तुम्ही बोलले पैसे नाही. मग, आता पैसे कुठून येणार? आणि कुठून आले? आणि आयुक्त साहेब तुम्ही केबिन रोड बघायला या. सगळ्या सदस्यांना विनंती करते, सगळ्या अधिका-यांना मी विनंती करेन, की, तुम्ही केबिन रोड खर्च बघायला या कारण मी २००८ पासून मागे लागली मा. महासभेत पण किती वेळा झाल तरी तो रोड होत नाही. मी उपोषणाला बसेन.

मा. सभापती :-

मी तुम्हाला २ उत्तर देतो तुमच्या प्रश्नांची की, गेल्या स्टॅन्डिंगला महोदय, राजू भोईरजी सभापती असताना, १० करोडचा प्रस्ताव मंजूर केला होता माझे मित्र मुन्ना सिंग जे बोलतात ते चूकून झाले होते. एखादी गोष्ट चुकून निघून गेली असती जर आमच्या कोणाच्या लक्षातच आली नसती. तर काय झाले असत? त्यावेळेला आमच्याकडे सुध्दा प्रत नव्हती त्यावेळी आम्ही सुध्दा तुमच्या सारखेच बोललो होतो. की, आम्हाला त्याची प्रत द्या आम्हाला माहित नाही. आमच्या ह्याच्यात नाही. आम्ही ठराव मांडतो तुम्हाला काय करायच ते करा. ह्या प्रश्नाच उत्तर झाले होते तरी सुध्दा मला त्याच्यात कुठेही तस तुम्हाला बोलायच नाही. शहरांची ती गरज आहे. त्या गरजे प्रमाणे आम्ही ती कामे घेतलेली आहे आणि तुम्ही जे रस्त्याबद्दल बोलता मी २ मिटिंग घेतल्या अधिका-यांबरोबर पूर्णनियोजन करणे बाबत आणि इकडे विषय येईल तो आणि त्याला तुम्ही सगळे सहमत असाल. पूर्णनियोजन होत नाही. तिथे तरतुदच नाही तर रस्ता बनवायचा कुठून?

वंदना पाटील :-

आपण मागे त्याचे टेंडर ही काढले त्याचे कॉल ही केले पैसे नाही म्हणुन तुम्ही ते.....

मा. सभापती :-

तोच विषय चाललेला आहे ना.

वंदना पाटील :-

आणि आज तुम्हाला एका रस्त्याला पैसे नाही. करोडो रू इकडे वापरायला आहेत आणि एका रस्त्याला तुम्हाला पैसे नाही.

मा. सभापती :-

मॅडम, मी तेच सांगतोना पूर्वनियोजना करत नाही ना ह्याच्यात जी तरतुद आहे ती वापरतात.

रोहिदास पाटील :-

कनफ्युजन करु नका आपल हेड आहे. अंदाज पत्रकाखाली रस्त्यासाठी हा हेड आहे. वृक्षप्राधिकरणसाठी हा हेड आहे. हॉस्पिटलसाठी हा हेड आहे. पाणी खात्यासाठी हा हेड आहे. हे आहेत ते बगिचे मैदान ह्याच्यातला हा हेड आहे. आता आपण शेवटला आलेलो आहोत. ह्याच्यामध्ये आणखिन पूढची मिटिंग लागली की चार काम, समजा आपण आपली सभा खेळीमेळीच्या वातावरणात चालवण्याचा प्रयत्न करतो समजा तुम्ही सांगितल की इकडे चार बॅन्चेस बसवायचे आहे. होते ते घेतले पूढच्या मिटिंगला ते ही घेवू शकतो ना.

वंदना पाटील :-

आम्ही तेच मागतो ना तुमच्याकडे.

मा. सभापती :-

मा. सदस्य वंदना पाटील मॅडम,मी २ वेळा अधिका-यांची मिटिंग घेतली अधिका-यांच्या विरोधात जास्त बोलले तर त्यांना आपलेच सदस्य सहकार्य करित असतात २ मिटिंग घेतल्यानंतर मी सांगितल. पूर्वनियोजना बाबत आपण सांगितल की तुम्ही पुर्ननियोजन करा. जे पैसे दुस-या Department ला उरेल ते दुस-या डिपार्टमेंटला अँड व्हायला पाहिजे ते होत नाही. आणि ते अधिकारी करत नाही. त्याच्यावर कोणी बोलायच? तुम्ही सांगता रस्त्यात काम.

वंदना पाटील :-

मग, मी अधिका-यांना रिक्वेस्ट करते ना की, त्यांनी दयावे.

मा. सभापती :-

रिक्वेस्टने होत नाही, कायदयाने होते, हे नियमानुसार होते. नियमानुसार करत नाही ना.

वंदना पाटील :-

मग, त्यांनी ही माझ्या वॉर्ड मध्ये रोड बघायला याव.

मा. सभापती :-

अधिका-यांना तुम्ही घेवून तुम्ही त्या दिवशी सुचना मांडल्यानंतर मी बोललो ना, की, मी तुमच्या रोडच पहिल काम घेतो पण, त्याला तरतुदच नाही तर घेणार कुठून? जेव्हा विषय येईल तेव्हा बोलू ना.

रोहिदास पाटील :-

मोठी रक्कम घेवू बांधकाम मध्ये डांबर टाकून देवू.

हंसुकुमार पांडे :-

मा. सभापती महोदय, मे इस विषय पर दो शब्द बोलना चाहता हूँ। कमिशनर साहेब केबिन रोड बहोत छोटा रोड है। उसमे अभि काई रिलायन्स वालो ने या टाटा वालोने केबल डाला है। और केबल डालने के बाद वह छोटे से रोड पे इतना उचा हो गया स्पिड ब्रेकर चेंम्बर जैसा बना दिया हे। इतना ज्यादा कन्जस्टेड हो गया है। सुबह के टाईम पे कचरा का गाडी आता है, वहाँ से निकलनेके लिए कमसे कम आधा घंटा लगता है।

वंदना पाटील :-

सन्मा. हंसुकुमार पांडेजी वो रोड तो बनाया नही, खोदके वैसे ही खाली पडा है। आप चाहे तो देखलो।

मुन्ना सिंग :-

मा. सभापती साहेब, केबिन रोड पे केबल का काम हुआ था, उसमे पंचवर्क हो गया है। अभि नर्मदा नगर मे पाईप लाईन का काम हुआ उसका पंच वर्क नही हुआ। केबल का पंच वर्क हुआ। खाली २-४ जगह चेम्बर पर वो लोग ने ढक्कन लगा दिये।

हंसुकुमार पांडे :-

तो उसको जरा रोड लेव्हल से करवा के लो। तो रोड जितना ब्रॉडनेस कम हुआ है वो वापस वैसे हो जाये।

राजेंद्र जैन :-

मा. सभापती महोदय, ये जो स्टॅन्डिंग है, यह विषय अंदर ३-४ साल से लगातार पत्र मेरा चालू है। इस विषय मे जब भी रिलायन्स कहीं खोदता है। या केबल खोदते है, और हम उनको बोलते है, इसपर तुरंत पंचवर्क करो तो साहब जवाब एक आता है. की यह पंचवर्क होने पे करेंगे। जब पंचवर्क का टाईम आयेगा करेंगे। और मेरा लिखके सजेशन दिया हुआ है, की ऐसी कामो को होती एक जनरल फंड क्लिअर किया जाये। ताकी वो पंचवर्क तक इंतजार नही किया जाये। लेकिन ये जब आपकी सरकार थी, आप भी सत्ता मे थे तब से हम रिक्वेसट कर रहे थे। हमको तो आये मोकामिला बोलने का। आपके ही लोगों ने काम नही किया है। आज आप शिकायत कर रहे है ना। हम चिल्ला चिल्ला के कह रहे है। की जनरल फंड पे किया जाये। जहा असुविधा होती है वहाँ तुरंत काम किया जाये। जनरल फंड क्लिअर का.

रोहिदास पाटील :-

मा. सभापती साहेब, आपली महानगरपालिका चालते, जिवंत आहेत ते तरी आता भोगतातच मेलेल्या माणसाला ही थांबून रहायला लागते त्याच काय? स्मशानामध्ये त्याला जाळण्यासाठी लाकडे मिळत नाही. या ह्याच्यावर महापालिकेची काय भुमिका आहे. महापालिकेकडे पैसे नाही की, काही व्यवस्था नाही ठेकेदार काम करत नाही की, केले म्हणुन तुम्हाला सांगतो.

मिरादेवी यादव :-

मा. सभापती साहेब, हमारे एरिया में काशिमिरा स्मशानभूमी है, उसमें वॉचमन है की नहीं, लकडा देनेवाला है की नहीं। स्मशानभूमी मे कोई है की नहीं पुछो। २० तारीख को १० बजे से मय्यत पडी हुई थी। और वहाँपर फोन करके मुझे बोले मुन्शी कंपाऊंड की मय्यत थी, इंतजार करते करते साडे तीन बजे पानपट्टे साहब को फोन लगाया तो उस समय बोले मैं भेजता हूँ। फिर भेजने के बाद सुबह में ८ बजे अपने राईट ड्युटी के टाईम रवि पाटील आये फिर साडे नऊ, दस बजे वो मय्यत जला दिया। बारा घंटे के बाद मय्यत जलाई। ना वहाँ पर एक वॉचमेन नहीं लकडा देनेवाला। वो एरिया मे बहुत सारे लोग घोडबंदर से चेना करके, मुन्शी कंपाऊंड से लेकर काशिमिरा मे लेकर आते है। और वहाँपर स्मशानभूकी का ऐसा परिस्थिती है।

दिपक कुरळेकर (मा. उपायुक्त) :-

मा. सभापती महादेयांच्या परवानगीने बोलतो.

मिरादेवी यादव :-

पत्रकार पेपर मे दिए की मय्यत पडी हुई थी और नगरसेवक को पता नहीं। नगरसेवक परेशान है और पेपर मे दे दिया की नगरसेवक को पता नहीं। तो अभी नगरसेवक लकडा देने जाए उधर।

दिपक कुरळेकर (मा. उपायुक्त) :-

मा. सभापती साहेबांच्या परवानगीने बोलतो, लाकडी पुरवठा हा विषय पूर्वी आपल्याला सगळ्यांना माहिती असेल की हा पी.डब्ल्यू.डी. चा होता. त्यांच्या काळामध्ये असल्यामुळे निविदा त्यांच्याकडे झाली होती. त्यांची बिल थकीत होती. ती बिल १५ दिवसापूर्वी सगळी अदा करण्यांत आली. जवळपास ९ ते १० लाखाची बिल होती. त्यामुळे मध्यंतरी २ दिवस त्यांनी पुरवठा कमी केला होता. तथापी आजच्या स्थितीत मी मागच्या आठवड्यात काशिमिराच्या जवळपास ९ स्मशानभूमीला मी स्वतः व्हिजीट केलेली आहे. तिथला अहवाल सुध्दा मी तयार केलेला आहे. ४ स्मशानभूमी आता व्हिजीट करायच्या राहिलेल्या आहेत. मा.आयुक्त महोदयांनी निर्देश दिले होते. आणि संबंधिताचे ८-१० लाखाचे देयक होत मे आयुक्त साहेबांनी अदा केलेले आहे. सगळे झालेले आहे. आता इथुन पुढे लाकडाचा कुठल्याही प्रकारचा तुडवडा भासणार नाही.

रोहिदास पाटील :-

आम्ही हे जे निवेदन केल ते खर आहे की नाही? स्मशानामध्ये नेलेली बॉडी लाकडांसाठी अमुक १ तास थांबायला लागली. थांबण्यासाठी तुम्हाला विनंती, आयुक्तांना विनंती, नगरसेवकांना विनंती हा सगळा उपक्रम झाला की नाही झाला?

दिपक कुरळेकर (मा. उपायुक्त) :-

साधारणतः २-३ स्मशानभूमी मध्ये प्रॉब्लेम झाला होता. साधारणतः काही ठिकाणी ६० काही ठिकाणी १० मासिक अशा बॉडी येतात. परंतु मध्यंतरी तिथे त्या एरियात डेथ जास्त झाले होते. त्यानुसार लाकडा पुरवठा कमी झाला होता. तो आता आपण पुरवत आहे. आणि सध्या जिथे मी ९ ठिकाणी व्हिजीट केल्या आहेत. तिथे स्टॉक हो भरपूर आहे. आणि आता पावसाळापर्यंत पूर्ण स्टॉक हा असणार आहे.

मा. सभापती :-

उद्यानाचा ठराव हा सर्वानुमते मंजूर करण्यांत येत आहे.

प्रभात पाटील :-

आमचा ठराव आहे. आम्हाला दिलेला नाही. तर आम्ही डोळे झाकून कसा काय करणार.

प्रशांत दळवी :-

ठराव वाचून घ्या ना. हाच प्रश्न आम्ही त्या विभागाला विचारला होता की, तुम्ही फक्त म्हणता मिरारोड विभाग, सिल्वर पार्क विभाग पण नेमके कुठे लावायच ते आम्हाला द्या. त्यानुसार त्यांनी कुठे कुठे बसायचे त्यांची रूपरेषा दिलेली आहे.

(सभागृहात गोंधळ)

मा. सभापती :-

आपण ठराव मांडा.

प्रभात पाटील :-

ते जे बोलतात ते चूकीच बोलतात. ते ठराव आम्ही मांडणार असल्यामुळे ते आमच्याकडे आलाच पाहिजे. हे चुकीचे आहे. सभागृहात प्रत्येकाला त्याचा हक्क आहे. ते येईल तर तो आमच्याकडे आला पाहिजे.

प्रशांत दळवी :-

ठराव आम्ही वाचणार ना. पण.

(सभागृहात गोंधळ)

प्रशांत दळवी :-

सचिव साहेब, ठराव तुमच्याकडे असतात का?

नगरसचिव :-

नाही.

मा. सभापती :-

ठराव सर्वानुमते मंजूर करण्यांत येत आहे.

प्रभात पाटील :-

नाही मंजूर करणार आम्ही.

हंसुकुमार पांडे :-

आम्ही विरोधक आहे ना.

मा. सभापती :-

मांडा ना. ठराव तुम्ही.

अनिता पाटील :-

तुम्हाला ठराव मागितला तरी तो देत नाही. आणि आम्ही मांडतोय ना ठराव तर घाई कशाला करता. तुमचाच ठराव पास होणार आहे.

मा. सभापती :-

मॅडम, मी लगेच ठराव मंजूर केला नाही. तुम्हाला बोलायला दिल. तुम्हाला वेळ दिली. त्याच्यानंतर पण ठराव मांडत नसेल तर कस काय होईल.

अनिता पाटील :-

दळवी साहेब बोलतात आम्हीच ठराव वाचणार आहे. तुम्हीच वाचा. पण त्याच्यावर आमच मत प्रदर्शन करण्याची मुभा आहे ना.

प्रभात पाटील :-

साहेब, एक लक्षात घ्या की, संबंधित खात ही तितकच जबाबदार आहे. दक्षता तुम्ही घ्या. त्यांनी ते पेपर आम्हालाही दिले पाहिजे होते. आम्हांला पेपर मिळाले नाही.

प्रशांत दळवी :-

आमचे ठराव आम्ही तुम्हाला कसे दाखणार?

प्रभात पाटील :-

आम्हाला ठराव नकोच. आम्हांला पेपर पाहिजे. त्यांनी जी अतिरीक्त माहिती दिली ती पाहिजे आम्हाला.

मा. सभापती :-

मॅडम, प्रत्येक वेळेला इथे अशीच रचना चालत आलेली आहे. आणि तसच होत आलेल आहे. ठराव सत्ताधारी मांडतो आणि नंतर त्याची कॉपी आम्हाला त्यावेळेला दिलेली नसते. आणि आम्ही बोलताना आम्ही तर सॉफ्ट उत्तर देतो तुम्हाला. आम्हाला तर स्पष्ट उत्तर दिलेल आहे. तुम्हाला या शहराची काळजी नाही. तुम्हाला ठराव मांडायचा आहे तर मांडा. आम्ही मांडलेला आहे. विषय संपला.

अनिता पाटील :-

शहराच्या काळजीसाठी प्रत्येक नगरसेवक बोललेल आहे.

मा. सभापती :-

माझ याच्या पुढच मत आहे. ह्याच्यात तुमच्याकडे सुचना असतील याच्या मध्यंतर त्या सुध्दा तुम्ही द्या.

अनिता पाटील :-

साहेब, काही गोष्टींची माहिती नसेल. सुचना काय द्यायच्या त्या तर आम्हाला माहिती पाहिजे.

मा. सभापती :-

ठीक आहे ना. तुम्हाला कुठच्या गार्डन मध्ये काय करायच आहे. बॅन्चेस आहे या पण सुचना घेतो. पण, तुम्ही तर बोलायला मोक्या दिला नाही म्हणून मी काही बोललो नाही.

वंदना पाटील :-

मा. सभापती साहेब, तुम्हाला मागच काढायच आहे. मग नविन मॅम्बर निवडायची गरजच नाही ना.

मा. सभापती :-

मागच काढायचा विषय नाही.

वंदना पाटील :-

मग आम्ही इथे कशासाठी बसले.

प्रभात पाटील :-

मा. स्थायी समिती दि. ३१/०१/२०१४ रोजीच्या ह्या सभेत संबंधित ठरावाला आवश्यक असणारी गोषवारा व्यतिरिक्त कागदपत्रे ही कॉॅंग्रेस व राष्ट्रवादीला दिली नव्हती. जी कागदपत्रे सत्ताधऱ्यांकडे होती ती आमच्याकडे नव्हती. त्यामुळे त्यांनी जो काही करोडोंच्या खर्चाला मंजूरी दिली आहे त्याची पेपर (पुरवणी) आमच्याकडे

नसल्यामुळे आम्हाला त्याची माहिती नाही. त्यामुळे सत्ताधाऱ्यांनी कोणत्या कामासाठी ही मंजूरी घेतली आहे त्या मंजूरीशी आमची सहमती नाही. त्यामुळे प्रशासनाने, आयुक्तांनी ह्या विषयांची सखोल चौकशी करावी.

अनिता पाटील :-

माझे अनुमोदन ओह.

नगरसचिव :-

प्रकरण क्र. १४७ करीता २ ठराव आलेले आहे. पहिल्या ठरावाचे सूचक रोहिदास पाटील, अनुमोदन हरिश्चंद्र आमगावकर. दुसरा ठरावाचे सूचक प्रभात पाटील, अनुमोदन अनिता पाटील. अनुक्रमे मी दुसरा ठराव मतदानास टाकतो. सूचक प्रभात पाटील यांनी मांडलेल्या ठरावाच्या बाजूने जे असतील त्यांनी हात वर करायचे आहे. या ठरावाच्या विरोधात जे असतील त्यांनी हात वर करायचे. सूचक रोहिदास पाटील यांनी मांडलेल्या ठरावाच्या बाजूने जे असतील त्यांनी हात वर करायचे आहेत. या ठरावाच्या विरोधात जे असतील त्यांनी हात वर करायचे.

मा. सभापती :-

सन्मा. सदस्य रोहिदास पाटील यांनी मांडलेला ठराव बहुमताने मंजूर करण्यांत येत आहे.

प्रशांत दळवी :-

मा. सभापती साहेब, याचा अर्थ मिरा भाईंदर शहरामध्ये जे उद्यान बनतात. आणि जे खेळण्याचा पुरवठा आहे. मुल आहेत आपली पुढच भवितव्य आहे. आणि जेष्ठ नागरीकांसाठी बसण्यासाठी जे बॅन्चेस आहेत ह्यालाच ह्या लोकांनी विरोध केला असच म्हणायला लागतील.

हंसुकुमार पांडे :-

आमचा विरोध नाही. आम्हाला फक्त एवढच की तुम्ही पाठपुरावा केला नाही. म्हणून आम्ही विरोध केला.

प्रभात पाटील :-

गार्डनची सुशोभिकरण चालली. जी खेळणी बसवली पाहिजे त्या सन्मा.सदस्यांच्या मागण्या आहेत. जे विरोधात आहेत त्यांच्याही मागण्या आहेत.

अनिता पाटील :-

अजिबात नाही. आमचा कुठल्याच गोष्टीला विरोध नाही. फक्त तुम्ही जो ठराव वाचला. जे वाढवण्यांत आले त्याची कागदपत्रे आमच्यापर्यंत आलीच नाही. त्याची आमची मागणी आहे. आमचा कुठल्याच गोष्टीला विरोध नाही. तुम्ही जे एक्स्ट्रा अॅडीशनल केलेल आहे त्या गोष्टीला विरोध आहे.

रोहिदास पाटील :-

स्मशानाच्या व्यवस्थेबद्दल लाकडांच्या व्यवस्थेबद्दल निवेदन करा ना.

राजेंद्र जैन :-

मॅडम जहाँ जहाँ बॅन्चेस लगे है, और जो जो बुढे बच्चे बैठे है उनके चेहरे पे मुस्कान है।

हंसुकुमार पांडे :-

वो मुस्कान हमलोग भी देखते है। उसी के लिए हमलोग मर रहे है।

(सभागृहात गोंधळ)

प्रशांत दळवी :-

सन्मा. सदस्यांनी सभापतींना विचारल्या शिवाय कोणी बोलू नये. सचिव महोदय पुढच्या विषयाला सुरुवात करा.

दिपक कुरळेकर (मा. उपायुक्त) :-

सद्यस्थितीत सगळ्या स्मशानभूमीत लाकडाचा पुरवठा झालेला आहे. पावसाळ्यापूर्वी सगळीकडे स्टॉक सुध्दा ठेवण्यांत येईल.

रोहिदास पाटील :-

याच्यापूढे असा प्रसंग येईल का? मेलेल्या माणसासाठी लाकड येईपर्यंत वाट बघायची का?

दिपक कुरळेकर (मा. उपायुक्त) :-

नाही. स्टॉक हा पावसाळ्यापूर्वी भरपूर राहणार आहे. रूमस जिथे जिथे शेड वगैरे आहेत, खोल्या आहेत. त्या संपूर्ण भरलेल्या राहतील आणि बाहेर सुध्दा स्टॉक करून ठेवायला सांगितलेल आहे.

रोहिदास पाटील :-

त्या खोल्या ज्या आहेत त्या गळतात ते तुम्हाला माहित आहे का?

दिपक कुरळेकर (मा. उपायुक्त) :-

नाही. सध्या पावसाळा नाही.

रोहिदास पाटील :-

त्याची पाहणी करा.

दिपक कुरळेकर (मा. उपायुक्त) :-

पाहणी केलेली आहे.

रोहिदास पाटील :-

लाकड ओली नाही होतील ते बघा. लाकडाचा स्टॉक राहिल ते बघा. त्याच रजिस्टर कोण मेन्टेन करेल ते बघा. किंवा लाकड संपले आणि मेलेला माणसाला वाट बघायला लागतील अस व्हायला नको. मला अजून एका विषयावर बोलायच आहे. त्यासाठी सगळ्या सभागृहाच लक्ष वेधतो. आपण शहरात पोस्ट मार्टम झाल्यानंतर आणि आपल्याकडे पोस्टमार्टम हे टेम्बा हॉस्पिटलमध्ये होत होत. २७ तारखेपासून डॉक्टरांनी पोस्ट मार्टम करायचं बंद केलेले आहे. आता अशी कोणती घटना घडली तर ती बॉडी एकतर ठाण्याला पाठवायला लागते किंवा बोरीवलीला पाठवायला लागते. त्यात महापालिकेचा रोल काय आहे?

डॉ. पडवळ :-

मा. सभापती साहेबांच्या परवानगीने बोलतो, संचालक महाराष्ट्र शासन आरोग्य सेवा आणि पोलिस सर्जन गृह विभाग यांच्या पत्रांप्रमाणे किंवा त्यांच्या निर्णयाप्रमाणे पोस्ट मार्टमचे अधिकार हे फक्त शासकीय वैद्यकीय अधिकाऱ्यांना आहेत. आणि त्यामुळेच २००८ साली ज्यावेळी टेम्बा हॉस्पिटल आपल्याकडे आलं. आणि पी.एस.सी. ट्रान्सफर झाली. त्यावेळेस २-३ महिने आपल्याला सिव्हिल हॉस्पिटल किंवा भगवती या दोन ठिकाणी शव विच्छेदनासाठी बॉडी पाठवाव्या लागत होत्या. मग त्यावेळेस तत्कालीन पालकमंत्री मा.गणेशजी नाईक यांनी वरिष्ठ पातळीवर बैठका घेऊन शासनाकडून एक अधिकारी प्रतिनियुक्तीने आपल्याकडे होते. डॉ.कोळी म्हणून आणि ते आपल्याकडे पोस्टमार्टम करत होते. मा. विक्रम कुमार साहेब यांच्या काळामध्ये त्यांनी त्यांना गैरवर्तना बदल कार्यमुक्त करून त्या जागी दुसरा अधिकारी उप-संचालक यांच्याकडून पोस्ट मार्टम साठी मागवला होता. तो पर्यंत लोकांची गैरसोय होवू नये म्हणून मनपाच्या वैद्यकीय अधिकाऱ्यामार्फत पोस्ट मार्टम चालू करण्यासाठी त्यांनी उप-संचालक यांची आणि सिव्हिल सर्जन यांची संमती घेतली होती. परंतु वस्तुतः ही आहे. पी.एम. चे अधिकार मनपाच्या वैद्यकीय अधिकाऱ्यांना नसल्यामुळे त्याबाबत शासनाने वैद्यकीय अधिकारी पाठवणे आवश्यक आहे. आपल्याकडे पण वैद्यकीय अधिकाऱ्यांनी मागणी केली आहे, की शासनाकडून लवकरात लकवर पदनियुक्तीने मागवावे. त्या नुसार मा.आयुक्तांनी संचालकांना पत्र लिहून तात्काळ अधिकाऱ्याची मागणी केलेली आहे. आणि मा.महासभेने २ वैद्यकीय अधिकारी पोस्ट मार्टमसाठी ठराव मंजूर केलेला आहे. तो पद शासनाकडून मंजूर झाल्यानंतर तो आता अंतिम टप्प्यात आहे. की मंजूर झाल्यानंतर शासनाकडून आपण २ वैद्यकीय अधिकारी पोस्ट मार्टमसाठी त्याठिकाणी मागवले आहेत. त्याच पत्रामध्ये ते ही नमूद केलेल आहे.

रोहिदास पाटील :-

आताच्या घटकेला परिस्थिती काय आहे ते सांगा? मग मी सांगतो ना.

डॉ. पडवळ :-

सध्याच्या घटकेला आपल्या इथे पोस्ट मार्टम बंद आहे. त्यामुळे सिव्हिल हॉस्पिटलला किंवा भगवती हास्पिटलला बॉडी जाते.

रोहिदास पाटील :-

आता निर्णय कायम आहे की महानगरपालिकेचे डॉक्टर पोस्ट मार्टम इच्छेने करणार नाही. हा निर्णय कायम आहे का?

डॉ. पडवळ :-

नाही. वैद्यकीय अधिकाऱ्यांनी तो निर्णय परस्पर त्यांच्या ह्याच्यावर घेतलेला आहे. प्रशासनाची ती भूमिका नाही. त्यामुळे प्रशासनाने काल सर्वांना शो कॉस नोटीस दिलेली आहे की, त्यांनी ते काम २ दिवसात मा.आयुक्तांच्या परवानगी शिवाय बंद केलेल आहे. त्यामुळे लोकांची गैरसोय होत आहे. आणि त्यांनी ते तात्काळ चालू कराव. अस त्यांना शो कॉस नोटीस पण बजाविलेली आहे.

रोहिदास पाटील :-

हे रेकॉर्डवर येवू द्याना. मी सभागृहाला माहिती देतो. हे २७ पासून करत नाही. एक तर बॉडी आपल्याकडे राहिली ८ तास त्यानंतर ठाण्याला पाठविली. ह्याच्यावर कुठेच काही उहापोह होत नाही. आजची ही परिस्थिती आहे. तुम्ही शो कॉस नोटीस काढली. मी २७ नंतर पहिल्यांदा मा. आयुक्तांना पत्र दिल. पानपट्टे साहेबांशी बोलणं झाल. पानपट्टे साहेब बोलले शासन देत नाही. एक दिवसाचा निषेध असेल तर सहानुभूती होती. तुम्ही करणारच नसाल तर आज मिळालेल्या माहितीनुसार उप-संचालकांच म्हणणं स्पष्ट आहे की, मुंबई मध्ये, ठाण्यामध्ये, नवीमुंबई मध्ये, भिवंडी मध्ये, वसई विरारमध्ये यांचे महापालिकेचे डॉक्टर पोस्ट मार्टम करतात. ह्याच्यानंतर ते खर नाही. मग मी पानपट्टेना सांगायच तुम्ही ऑर्डर द्या. तुमच्याकडे काय आहे ते. त्यांनी नंतर संचालकांच्या बरोबर संतोष पवार त्यांच्या बरोबर बोलणं झाले. त्यांनी सांगितले की, सगळ्याच ठिकाणी असं आहे. ही तुमच्या डॉक्टरांची भूमिका स्पष्ट नाही. त्यांचा हेतु दुसरा काहीतरी असेल. काय हेतु असेल ते डॉक्टरांनी बघायला पाहिजे. पानपट्टे साहेबांनी बघायला पाहिजे. जर ते इतके वर्ष झाले देतो. मग ते केलं ते चुकीच केल का? आमच्यासारखा असाच प्रश्न विचारणार. इतके वर्ष तुम्ही केलेल पोस्ट मार्टम जी काही शवविच्छेदने केली ती चुकीची केली का? जर चुकीची केली नसती तर आता ही चालू ठेवा. तुमची मागणी आहे की, त्यांनी करायला पाहिजे. हे ही ती कागदपत्रे आमच्या हातात नाही अस अजून पानपट्टे साहेब क्लिअर मिळालेल नाही. शासनाचा आदेश त्यांच मत आहे की शासनाने तस केल तर ह्याला अधिकारी कराव की नाही. पण त्यांनी करूच नये अस कुठेही माझ्या हाताला कागद मिळालेला नाही. असेल तर तो ही कागद द्या आणि

अशी काम असतील तर तुम्ही आम्हालाही सांगा ना. २०१० नंतर तुम्ही आम्हाला पत्र लिहिलेली नाही. आज २०१४ आहे. तुमचे पण २१/०१/२०१४ च आहे. माझ पत्र २८/१/२०१४ च. माझ दुसर संचालकाला पत्र आहे. ३०/०१/२०१४ च. त्यांचा आता इ-मेल आलेला आहे.

संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-

मा. सभापती साहेबांच्या परवानगीने बोलतो, मध्यंतरी वेळोवेळी मी पत्र पाठवलेल आहे. भविष्यामध्ये मेडिको लिगल केस मध्ये कोर्टात प्रॉब्लेम होवू नये अशी डॉक्टरांची भूमिका होती. हे पोस्ट मार्टम करू शकता. ह्यांना पण कोर्स शिकवलेला असतो. त्यांना या संदर्भात टेक्निकल एजन्सीने केलेल असते.

रोहिदास पाटील :-

सभागृहाची विनंती आहे. हा कायद्याचा केस न काढता लोकांच्या सोईने आपलेच ते डॉक्टर आहेत. त्या डॉक्टरांना निट बसवा, चहा पाजा. त्यांना सांगा की ज्या पध्दतीने तुम्ही इतक्या दिवसाने काम केल त्याच पध्दतीने तुम्ही काम कराव. लोकांना वेठीस धरू नये. मेलेल्या माणसाला.....

संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-

लिगल स्टॅम्प राहिल. कोर्टामध्ये त्यावेळेस प्रॉब्लेम होवू नये अस म्हणून त्याची धोरणात्मक होती. आज डेप्युटी डायरेक्टर दुपारी येणार आहेत. बैठक होणार आहे आणि मार्ग निघणार.

मुन्ना सिंग :-

मा.सभापती साहेब जब यहाँ पर पोस्ट मार्टम हो सकता या तो थाना मे क्यों भेजते थे? ८ घंटे के बाद बाँडी?

संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-

त्यांनी संप केलेला ना.

प्रशांत दळवी :-

पानपट्टे साहेब, हा एवढा गंभीर प्रश्न आहे. आपण जर म्हटलं की त्यांनी संप केला आणि त्यांच्यावर आपण सोडून देत असेल उद्या जर काही लोकांच काही झाल तर मग बाँडीच काय करायच? ठाण्याला की इकडे पाठवायच?

संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-

शासनास पत्र आहे की, ते करूच शकत नाही. म्हणून तर त्यांनी रेकॉर्डवर आणलं. उद्या काय झाल तर आम्ही जबाबदार राहणार नाही.

प्रशांत दळवी :-

आपण जबाबदार नाही राहणार नाही म्हणून आपली जबाबदारी झटकून

संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-

आज डेप्युटी डायरेक्टर या संदर्भात येणार आहेत.

प्रशांत दळवी :-

मा. आयुक्त महोदय ह्यांच्यावर आपली काहीतरी रूलिंग हवी. कारण माणूस उपलब्ध नाही. उद्या जर काही अपघात झाला, काहीही घडलं

संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-

हा विषय फार गंभीर आहे. एकदा हा म्हणता एकदा नाही म्हणता. ह्यांच्यामध्ये शासनच क्लिअर नाही. आज ते येणार आहेत. शासन एकदा हा म्हणते एकदा बोलते करता येत नाही. लिखित नाही म्हणते. शासनच क्लिअर नाही.

प्रशांत दळवी :-

म्हणजे आपल्याला मिरा भाईंदरला शासनाने वाळीत टाकलं का?

संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-

शासनाविरुद्ध मी तस बोलू शकत नाही.

प्रशांत दळवी :-

विरुद्ध बोलू शकत नाही. पण ती जबाबदारी आहे ना. पानपट्टे साहेब किती दिवसापासून नाही आपल्याकडे?

संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-

चार दिवसापासून प्रॉब्लेम आहे.

प्रशांत दळवी :-

चार दिवस झाले. अजून किती दिवस वाट बघायची.

संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-

दिड वर्ष चांगलं सुरळीत चालल होत.

प्रशांत दळवी :-

आम्ही कुठे नाही म्हणतो.

संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-

कॅम्प्लीकेशन होऊ नये अस डॉक्टरच म्हणण होत. म्हणून तर शासनाच्या निर्देशास आणून दिले डॉक्टरांनी. आज डेप्युटी डायरेक्टर येणार आहेत. त्यांना मी विनंती केली मी काकांची मदत घेतली. मी काकांना सुध्दा पत्र पाठवलं. काकांनी सुध्दा डायरेक्टरला बोलले, डेप्युटी डायरेक्टरला बोलले आहे. दुपारी येणार आहेत. मार्ग निघणार आहेत. क्लिअर कट इन्स्ट्रक्शन देणार आहेत.

प्रशांत दळवी :-

सगळ मान्य आहे. परंतु मा. आयुक्त महोदय आपण हे सगळ करत असताना उदया जर ते संपावर निघून गेले. उदया जर स्मशानात बॉडी गेली आणि त्यांनी जर स्ट्राईक केल किंवा ते गेले तर मग काय करायच? आता तर स्मशानात बॉडी घेऊन ८-८ तास तिकडे असते जसा काशिमिराचा प्रकार घडला आणि तिथे आपला माणुस उपलब्ध नव्हता. मग त्या वेळेला आपण काय करायच? आता हे पोस्ट मार्टमच नाही. उदया तिकडे पण माणुस नाही. मग, त्यांनी पण स्ट्राईक केल्यानंतर आपण काय करायच?

संभाजी पानपट्टे (मा. उपायुक्त) :-

भविष्यात प्रॉब्लेम होऊ नये म्हणून डॉक्टरांनी शासनाचे निर्देश आणून दिले. त्या संदर्भात आहे. तो विषय थोडा धोरणात्मक निर्णय आहे. डेप्युटी डायरेक्टर आज येणार आहेत.

प्रशांत दळवी :-

लवकरात लवकर निर्णय घ्या.

प्रकरण क्र. १४७ :-

मिरा भाईदर महानगरपालिका क्षेत्रातील विविध उद्यानात, नविन खेळणी, बेंचेस पुरवठा करून बसविणे व जुनी खेळणी दुरुस्ती करणे कामाबाबत.

ठराव क्र. १३८ :-

मिरा-भाईदर महानगरपालिका क्षेत्रातील विविध उद्यानात, मैदानात व इतर ठिकाणी नविन खेळणी, बेंचेस पुरवठा व जुनी खेळणी दुरुस्ती करणेकामी मा. आयुक्त साो. यांच्या दि.16/05/2013 रोजीच्या मान्यतेने (निविदा प्रसिध्दीस) दि.13/06/2013 रोजीच्या जाहीर निविदा सुचनेप्रमाणे दै.खबर आजतक, दै.प्रहार या वृत्तपत्रात तसेच E-Tendering प्रणालीद्वारे जाहीर निविदा मागविण्यात आल्या होत्या. त्यानुसार मे. अरिहंत इंडस्ट्रीयल कॉर्पोरेशन लि., मे.बाबा प्ले वर्ल्ड व मे. हनी फन एन-श्रील कंपनी यांच्या कमी दराच्या विविध नविन खेळणी, बेंचेस पुरवठा व खेळणी दुरुस्ती करणेबाबतच्या तीन निविदेस मा.आयुक्त साो., यांनी दि.04/09/2013 रोजी मंजूरी दिलेली आहे. तसेच प्राप्त वार्षिक कमी दराच्या निविदा स्विकारणेस मा. स्थायी समिती सभा ठराव क्र.82 दि.26/09/2013 अन्वये मान्यता देण्यात आलेली आहे.

मिरा भाईदर महानगरपालिका क्षेत्रातील विविध उद्यानात खालील ठिकाणी नविन खेळणी पुरवठा करून बसविणे व जुने खेळणी दुरुस्ती करणे आवश्यक आहेत.

अ.क्र	प्रभाग क्र.	कामाचा तपशील	ठेकेदाराचे नांव	एकुण रक्कम
१)	प्रभाग क्र. २१	राव तलाव उद्यान, भाईदर (प.) येथे नविन खेळणी व बेंचेस पुरवठा करून बसविणे.	मे. हनी फन एन-श्रील कंपनी	रु.१०,९२,१५३/-
२)	प्रभाग क्र. २८	भाईदर (प.) मनपा शाळा क्र.१६,१७,१८ मधील मोकळ्या जागेत बालवाडी मुलांसाठी नविन खेळणी व बेंचेस पुरवठा करून बसविणे.	मे. अरिहंत इंडस्ट्रीयल कॉर्पोरेशन लि.	रु. ७,०१,५७४/-
३)	प्रभाग क्र. २४	मोर्वा भाट मंदिराजवळ, सुर्यनारायण मंदिराजवळ, राईगाव मैदान इ.ठिकाणी नविन बेंचेस पुरवठा करून बसविणे	मे. अरिहंत इंडस्ट्रीयल कॉर्पोरेशन लि.	रु. २,६६,४००/-
४)	प्रभाग क्र. ३६	शांतीपार्क, पुनमनगर फेज-३, मिरारोड(पूर्व) येथे नविन खेळणी व बेंचेस पुरवठा करून बसविणे.	मे. हनी फन एन-श्रील कंपनी मे. अरिहंत इंडस्ट्रीयल कॉर्पोरेशन लि.	रु.१३,८३,९५४/-
५)	प्रभाग क्र. ३०	अल्लाहजरत रजा खॉ मैदान, मिरारोड(पूर्व) येथे नविन खेळणी व बेंचेस पुरवठा करून बसविणे.	मे. हनी फन एन-श्रील कंपनी मे. अरिहंत इंडस्ट्रीयल कॉर्पोरेशन लि.	रु.३,४४,८७४/-
६)	प्रभाग क्र. ३६	शांतीनगर, सेक्टर-६ उद्यान, मिरारोड(पूर्व) येथे नविन खेळणी व बेंचेस पुरवठा करून बसविणे.	मे. हनी फन एन-श्रील कंपनी	रु. २४,८७,२८९/-

७)	प्रभाग क्र. ३९	प्रभाग समिती क्र. ०५ मधील विविध उद्यानामध्ये नविन खेळणी व बेंचेंस पुरवठा करुन बसविणे. अ) शांतीनगर सेक्टर-९ मधील, लोकमान्य टिळक उद्यान.	मे. अरिहंत इंडस्ट्रीय कॉर्पोरेशन लि.	
	प्रभाग क्र. ३८	ब) शांतीनगर सेक्टर-११ मधील सी-१९ (मौलाना अब्दुल कलाम मैदान) क) शांतीनगर सेक्टर-११ मधील सी-२६ (इंदिरा गांधी मैदान) ड) सेक्टर-२ (सच्चिदानंद उद्यान) इ) शांतीनगर सेक्टर-४ मैदान) ई) व इतर ठिकाणी		रु.१८,४८,९७४/-
८)		प्रभाग समिती, कार्यालय क्र. ३ , गुलाब बाग, जेसलपार्क, चौपाटी येथे नविन बेंचेंस पुरवठा करुन बसविणे.	मे. अरिहंत इंडस्ट्रीय कॉर्पोरेशन लि.	रु. १३,३२,०००/-
९)	मनपा क्षेत्रातील सर्व ठिकाणी	मनपा क्षेत्रातील विविध उद्यानातील जुनी खेळणी दुरुस्ती करुन रंगरंगोटी करणे.	मे. बाबा प्ले वर्ल्ड	रु. २५,२९,१००/-
१०)	प्रभाग क्र. २८	अ) ठाकुर गल्ली शिवसेना वाचनालय जिगनेश अपार्टमेंट समोर, भाईदर (प.) येथे नविन बेंचेंस पुरवठा करुन बसविणे. ब) प्रभाग कार्यालय १ समोरील भाईदर (प.) शिवसेना शाखेसमोर येथे नविन बेंचेंस पुरवठा करुन बसविणे.	मे. अरिहंत इंडस्ट्रीय कॉर्पोरेशन लि.	रु. १,३३,२००/-
११)	प्रभाग क्र. ४१	प्रभाग क्र.४१ मध्ये विविध ठिकाणी नविन बेंचेंस पुरवठा करुन बसविणे. (BLOSSM BENCH)	मे. हनी फन एन-श्रील कंपनी	रु. ५,८६,५००/-
१२)	प्रभाग क्र. २४	धारावी देवी मंदीर डोंगरी येथे नविन खेळणी व बेंचेंस पुरवठा करुन बसविणे.	मे. हनी फन एन-श्रील कंपनी	रु. ९,९०,३३१/-
१३)	प्रभाग क्र. १३	प्रभाग क्र. १३ मधील इंदिरा गांधी तलाव उद्यान येथे येथे नविन खेळणी व बेंचेंस पुरवठा करुन बसविणे.	मे. हनी फन एन-श्रील कंपनी	रु. ८,९७,४२४/-
१४)	प्रभाग क्र. ४६	प्रभाग क्र. ४६ मधील जरीमरी तलाव व इतर ठिकाणी नविन बेंचेंस पुरवठा करुन बसविणे.	मे. हनी फन एन-श्रील कंपनी	रु. ३,५१,९००/-
१५)	प्रभाग क्र. ३८	प्रभाग क्र. ३८ मधील सेक्टर १ मध्ये इमारत क्र.१ बी/५१,५२ व Y-६३ येथील मैदानात येथे नविन खेळणी व बेंचेंस पुरवठा करुन बसविणे.	मे. अरिहंत इंडस्ट्रीयल कॉर्पोरेशन लि.	रु. १४,९१,७२७/-
१६)	प्रभाग क्र. ८	आरक्षण क्र. १११, भाईदर पुर्व येथे नविन खेळणी व बेंचेंस पुरवठा करुन बसविणे. (BLOSSM BENCH)	मे. हनी फन एन-श्रील कंपनी	रु. ५,००,०००/-
१७)	प्रभाग क्र. ४	प्रभाग क्र. ४ मध्ये नविन खेळणी व बेंचेंस पुरवठा करुन बसविणे.	मे. हनी फन एन-श्रील कंपनी	रु. ५,००,०००/-
१८)	प्रभाग क्र.२७	समाज मंदीर, आंबेडकर नगर, भाईदर (प.) येथे नविन बेंचेंस पुरवठा करुन बसविणे.	मे. हनी फन एन-श्रील कंपनी	रु. २,२२,०००/-
१९)	प्रभाग क्र. ३१	जुने क्विन्स पार्क येथे नविन खेळणी व बेंचेंस पुरवठा करुन बसविणे.	मे. हनी फन एन-श्रील कंपनी	रु. ५,००,०००/-
२०)	प्रभाग क्र. ४३	जुना प्लेझंट पार्क येथे नविन खेळणी व बेंचेंस पुरवठा करुन बसविणे.	मे. हनी फन एन-श्रील कंपनी	रु. १०,००,०००/-

२१)	प्रभाग क्र. १२	भाईदर (पूर्व) नवघर मैदानामध्ये खेळणी व बेंचेंस पुरवठा करून बसविणे	मे. हनी फन एन-श्रील कंपनी	रु. १०,००,०००/-
		एकुण		रु. २,०१,५९,४००/-

तरी उपरोक्त तक्त्यात नमुद केल्याप्रमाणे मागणी केल्यानुसार नविन खेळणी व बेंचेंस पुरवठा करणेकामी उद्यान/दुभाजक सुशोभिकरण करणेकामी या लेखाशिर्षाखाली रुपये १०००.०० लाख (रु.दहा कोटी) ची तरतुद केलेली आहे. सदर तरतुदीमधून एकूण रु. २,०१,५९,४००/- (रु. दोन कोटी एक लाख एकोणसाठ हजार चारशे मात्र) तरतुद उपलब्ध करून देण्यात येत आहे. तसेच माहे मे-२०१४ पर्यंतच्या नविन खेळणी व बेंचेंस पुरवठा करून बसविणेकामीची मागणी होण्याची शक्यता विचारता घेता अंदाजे रु. २५,००,०००/- (रु.पंचवीस लाख मात्र) असा एकूण २,२६,५९,४००/- (रु. दोन कोटी सहवीस लाख एकोणसाठ हजार चारशे रुपये मात्र) एवढ्या खर्चास मा. स्थायी समिती सर्वानुमते मंजूरी देत आहे असा ठराव मांडण्यात येत आहे.

सुचक :- श्री. रोहिदास पाटील

अनुमोदन :- श्री. हरिश्चंद्र आमगावकर

ठरावाच्या बाजूने	ठरावाच्या विरोधात	तटस्थ
१) श्री. शरद केशव पाटील	१) श्रीम. अनिता जयवंत पाटील	निरंक
२) श्री. रोहिदास पाटील	२) श्री. मुन्ना सिंह	
३) श्रीम. मिरादेवी यादव	३) श्री. परशुराम म्हात्रे	
४) डॉ. राजेंद्र जैन	४) श्री. हंसुकुमार पांडे	
५) श्री. प्रशांत दळवी	५) सौ. प्रभात प्रकाश पाटील	
६) श्री. अश्विन कासोदरीया	६) सौ. वंदना मंगेश पाटील	
७) सौ. मंदाकिनी गावंड		
८) श्री. हरिश्चंद्र आमगावकर		

ठराव बहुमताने मंजूर

सही/

सभापती

स्थायी समिती

मिरा भाईदर महानगरपालिका

नगरसचिव :-

प्रकरण क्र. १४८, मा. आयुक्त यांनी शिफारस केलेल्या प्रस्तावाचे पूर्णविनियोजन विवरण पत्रकास मंजूरी देणे. (भांडार विभाग)

प्रशांत दळवी :-

मा. सभापती महोदय या विषयावर बोलायच आहे. ठराव तर मांडतीलच परंतु आता हा जो विषय आलाच, तो फक्त भांडार विभागाचा आला आहे. पाटील मॅडम, आपण मगाशी बोललात की, रस्त्याच त्यांच्याकडे पैसे उपलब्ध नाही. आज भांडार विभागाकडे पैसे उपलब्ध नाही. त्यांनी तो विषय पुर्ननियोजनसाठी आणलेला आहे. मग रस्तेवाले सार्वजनिक बांधकाम खात त्यांच्याकडे पण पैसे नाही. ते का नाही इकडे विषय आणत? आणि माझ्या माहितीप्रमाणे काही असे विभाग आहेत की, त्यांनी पैसे नसुनही पैसे खर्च केले आहेत. ते येतीलच आता मा. सभापती महोदय हे चुकीचे आहे. माझ्या माहितीप्रमाणे मी तुम्हाला सांगतो की, काही हेड असे घुसवलेले आहेत की, ज्याची तरतुद नाही. परंतु, खर्च केलेला आहे. आणि परत ते आता बजेटमध्ये घुसवणार आहेत. आमच लक्ष राहिल त्याच्यावर परंतु, मला एक म्हणायच आहे. पुर्ननियोजन आपण करतोय सन्मा. सदस्य पण म्हणतात त्या-त्या विभागात हेड नाही. मग, त्याच पुर्ननियोजन का केल जात नाही. शहराला गरज आहे ना. आज पुर्ननियोजन तुम्ही कशामधुन करता? भांडार विभागात पैसे नाही मग तुम्ही हे कुठुन करता? घेताय ना कुठुन तरी. पैसा आहे ना कुठेतरी. मग त्याचा उपयोग तुम्ही सार्वजनिक बांधकाम विभाग वैगेरे या विभागातुन का नाही करत? आम्ही प्रत्येक वेळेला तेच म्हणतो की, तुम्ही पुर्ननियोजन करताना सगळेच विषय घेऊन या. कोणाकोणाला हवे कोणाला नको, कोणाकडे किती आहे. आणायचे ना ते विषय आता पर्टिक्युलर हा विषय घेऊन आले, म्हणजे आम्हाला कळणार कस. कुठल्या विभागात किती पैसा शिल्लक आहे किंवा नाही. प्रत्येक वेळेला आपण काम दिली

रोहिदास पाटील :-

मा. सभापती साहेब, त्यांना एकदा कुठे-कुठे काय पाहिजे. ह्याच एकदाच आणायच आपण.

मा. सभापती :-

मा. आयुक्त साहेब, प्रशांत दळवी साहेबांनी चांगला विषय मांडला. काका, ह्या पुर्ननियोजनासाठी दोन वेळा सभा घेतली. अधिकाऱ्यांची मा. महासभेत ह्या विषयावर फार जास्त चर्चा झाली. तरी सुध्दा कुठच्याही अधिकाऱ्यांनी का करत नाही? कुठच्या दबावाखाली करत नाही. कशासाठी करत नाही, माहित नाही. महापालिकेचा पैसा हा सगळा नागरिकांसाठी आहे, या शहरासाठी आहे. आणि ते करण जरूरी पण का करत

नाही माहित नाही. दोनदा त्यांची आढावा बैठक घेतली. दोन वेळा सांगण्यात आल तरीसुद्धा त्याच्यावर कुठ्याही निर्णय होत नाही. मग आम्ही एक-एक कशाला करायचे? तुम्हाला जेवढे पाहिजे तेवढे फक्त करून घ्यायचे का?

प्रशांत दळवी :-

मा. आयुक्त महोदय, प्रशासनाची जबाबदारी नाही का की, या शहराचा विकास व्हावा. असे किती प्रश्न बाकी आहेत. आमचेच एक दोन बाकी आहेत. त्याच्यामध्ये अस म्हणतात की, आमच्याकडे शिल्लक बाकी नाही. पैसा असताना सुद्धा ह्या सगळ्या गोष्टीची तरतुद का केली जात नाही. आणि आम्हाला सगळेच विषय पुर्ननियोजनासाठी आणा ना.

राजेंद्र जैन :-

मा. आयुक्तांनी सादर केलेल्या पुर्नविनियोजन प्रस्ताव पाहता तसेच मिरा भाईंदर महानगरपालिकेच्या सन २०१३-१४ चे अर्थसंकल्पातील तरतुद पाहता विकास कामाच्या लेखाशिर्षावर मोठ्या तरतुदीची आवश्यकता आहे. ज्या कामासाठी निधीची गरज आहे व ज्या लेखाशिर्षावर दि. ३१ मार्च २०१४ पर्यंत तरतुद खर्च पडणार नाही अशी रक्कम ज्या लेखाशिर्षावर आवश्यक आहे, त्यावर वर्ग करणेबाबत मा. आयुक्तांनी सर्व विभागांची पाहणी करून एकत्रितपणे पुर्नविनियोजनाचे प्रस्ताव माहे डिसेंबर पर्यंत सादर करणे आवश्यक होते. त्याकरीता यापूर्वीच मा. स्थायी समिती सभापती ह्यांनी बैठक घेऊन सर्व विभाग प्रमुखांना सुचना केल्या होत्या. तसे न करता फक्त भांडार विभागाचाच प्रस्ताव सादर केलेला आहे. सादरचा प्रस्ताव आम्ही फेटाळत आहोत. तसेच पुढील स्थायी समितीमध्ये एकत्रितपणे सर्व विभागांचे पुर्नविनियोजनाचे प्रस्ताव तयार करून सादर करावे. तसे न करता २०१३-१४ चे सुधारीत व सन २०१४-१५ च्या मुळ अंदाजपत्रकात परस्पर फेरबदल करून अंदाजपत्रक सादर केल्यास संबंधीत अधिकाऱ्यावर महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे कलम ५६ नुसार कार्यवाही करण्यात येईल. भांडार विभागाने पुर्नविनियोजनाचा सादर केलेला प्रस्ताव जोपर्यंत सर्व विभागांचे एकत्रिक प्रस्ताव येत नाहीत तोपर्यंत हा प्रस्ताव फेटाळण्यात येत आहे.

हरिश्चंद्र आमगावकर :-

माझे अनुमोदन आहे.

मा. सभापती :-

उराव सर्वानुमते मंजूर करण्यात येत आहे.

प्रभात पाटील :-

सगळ्यांचे प्रस्ताव आले नाही म्हणून विषय फेटाळतो. रस्ते होत नाही, गटार होत नाही म्हणून आपण ओरडतो. सार्वजनिक बांधकाम खात्याची किती महिने टेंडरींग सतत चालू आहेत. ते विषय कुठे आहेत? मंजुर्यांना येतात. कुठे विषय सतत आपली स्टॅन्डींग चालू आहे. मी एवढ्यासाठी बोलते. फेब्रुवारी निघाला म्हणजे मे महिना सुरु झाला. आता लागेल आणि ही कामे पावसाळ्या पर्यंत गेली पुन्हा पावसाळ्यात सिमेंट, रेंती विटांचे बांधकाम ते तुम्हाला काय कामाची निघतात याचा आपण डोळ्यापूढे चित्र आणलेले बरे की आपण त्याच काळामध्ये गटारे रस्ते करायला गेलो तर वरुन धो-धो पडणारा पाऊस उत्कृष्ट बांधकाम त्या मजुरीला काय येत नाहीत कामे तुमच्या वार्डातील असेल माझ्या वार्डातील असेल सगळ्यांच्या वार्डाची कामे थांबलेली आहे. ते का थांबलेली आहेत.

मा. सभापती :-

मा. आयुक्त साहेब, खर्च एकदम कळकळीचा विषय आहे. आणि या विषयाबद्दल बाहेर पण भरपूर चर्चा झाली. आम्हाला समजत नाही एवढे त्याची टेंडर निघाले. कुठच्या तिजोरीत ठेवले माहित नाही. कशासाठी ठेवले ते पण माहित नाही. या शहराचा विकास व्हायला पाहिजे. या शहराची काम व्हायला पाहिजे. नगरसेवकांच्या तक्रारी आहेत. आमच्या इथे काम होत नाही त्याच्यासाठी पैसे नाही आणि त्याच्यासाठी पैसे आहेत जे मंजूर झाली ती कामे निघत नाही. नक्की काय? समजायचे काय आम्ही?

रोहिदास पाटील :-

गेल्या वर्षी आपण इंडस्ट्रीयल फंड म्हणून हेड ओपन केला मी चार कोटी रुपयचा आग्रह धरत होतो. मग सभापती भोईर साहेबांनी ३ वर केला सभा उठल्या नंतर जाहिर करते वेळी २ केला तो आपल्याला माहितीच नाही. आपण काय बोललो हेड तर ऑपन झाला. २ कोटीतल कल्पना आणि मी पत्र देवून देवून थकलो. १० लाखाच काम पण आमच्या वार्डात झाल नाही. इंडस्ट्रियल वार्ड आमचा हे साहेब असताना ह्यांच्या पाठी मागे लागलो साहेब कामीत कमी बघायला तरी एक रस्ता होवू द्या. बि.पी.रोडला परत रस्ता होवू दे. हे आले आणि बघून गेले त्यांनी मंजुरी दिली नंतर मला प्रेम पत्र पाठवले की, तरतुद नाही. तरतुद झाल्यानंतर करू. आयुक्त साहेब, अमुख एका चांगल्या कामाला पैशाची आवश्यकता आहे. अमुख एक काम दृष्टी पथक नाही हे होणार नाही हे होणार नाही. किंवा हे होत नाही. ह्याच्यात तरतुद जास्त आहे. मग ती रेंगाळून ठेवून रखडून ठेवून पुन्हा पुन्हा नगरसेवकांनी तुम्हाला विनंती करायलाच पाहिजे का? किती वेळ द्यायचे बांधकाम मध्ये, ह्यांच्या जिव खाल्यानंतर, फार आरडाओरडा केला नंतर ह्यांच प्रेम पत्र येते. मला खारीगांव नाका ते सादुराम हॉटेल..

मा.सभापती :-

कारवाईसाठी पाठवले.

रोहिदास पाटील :-

तरतुद नाही म्हणुन साहेबांना पुन्हा पुन्हा विनंती केली.साहेबांनी सही केली ते पत्र आल. परवा दिवशी आयुक्त साहेबांनी सांगितले करा पध्दतीने काम करायच? तुम्हाला भेटायला वेळ नाही.आम्हाला अपॉयमेंट मिळत नाही. वेळ दिले अमुख दिवस आलो तर गर्दी असते काम कशी आणायची आम्ही तुम्ही सांगा आमची अशी विनंती आहे की, ज्या ठिकाणी जो फंड वापरला जाणार आहे. त्याची तुम्हाला खात्री आहे.तो फंड तुम्ही ८-१५ दिवसाने आणाना पुर्नानियोजनसाठी आणा ना. फंड नाही अस उत्तर का देता?

प्रभात पाटील :-

समिती गठीत केली. तर समिती पुढे न्यायच की, बिना त्या समिती पुढे नेताना ते पास करायच? धोरण तरी काय आहे?

मा. सभापती :-

मॅडम, समितीचा मी अहवाल घेतला आणि समितीने सांगितले की आम्ही सगळी कामे पाठवून दिली.

संभाजी पानपट्टे (मा.उपायुक्त) :-

मा. सभापती साहेबांच्या परवानगिने बोलतो माझ्या एक ही पेन्डींग नाही. ज्या दिवशी आल त्याच दिवशी आम्ही निर्णय घेतो. आमच्या कडे कुठलाही विषय पेन्डींग नाही.

प्रशांत दळवी :-

निविदा प्रक्रिया पूर्ण झालेली आहे.

प्रभात पाटील :-

निविदा प्रक्रिया पण ह्यांच्याकडे निवड समिती आहे.

संभाजी पानपट्टे (मा.उपायुक्त) :-

माझ्याकडे कुठलाही विषय पेन्डींग नाही.

मिरादेवी यादव :-

मा. सभापती साहेब, मॅडम ने जो विषय उठायला आहे, गटर, रोड का अभि जिस जगह काम चालू है,उस जगह पर अधिकारियो का ध्यान नहीं है। बारिश की काम पडी है। अभि गटर का चालू है उसपे सोलिंग कर के चल रहे है। बोलते है केमिकल है पकड लेगा। मैने कमिशनर साहेब को कम्प्लेंट की, खांबित साहेब से की, बारकुंड साहेब से की, इंजिनियर से की, जा के सिर्फ देखके आते है। आजतक उसपे कुछ कारवाई की नहीं। ऐसा ही अपना मनमानी गटर बना रहे है। उनको कुछ पडी ही नहीं है। यह लोग सिर्फ देख के आते है वह बनाते जा रहे है।

मा. सभापती :-

साहेब, आता पहिला सारखे राहिलेल नाही. सगळे नगरसेवक,लोकप्रतिनिधी जागृत आहे. नागरिक सुध्दा जागृत आहेत. प्रत्येक नागरिकांचा सुध्दा मला फोन येतो साहेब इथे इंद्रलोकला गटर बनवायला घेतल. साहेब, त्याच सोलिंग होत नाही. नुसत पाणी भरलेल आहे. ह्याच्यावर लक्ष घालायला लागेल. फक्त ऑफिस मध्ये बसुन सगळ्यांस उत्तर द्यायचा आता विसरुन जा. आता चालणार नाही हे. आता प्रत्यक्ष जागेवर जागेवर जावून पाहणी करुन त्या कामाची पाहणी करुन ती काम करावी लागेल.

हरिश्चंद्र आमगावकर :-

मा. सभापती साहेब, रात्री ११ वाजता स्लॅब भरतात.

मुन्ना सिंग :-

वही जानकारी लेता हूँ। साईट व्हिजिट करने वालो को ऑफिसर के सामने काम करते है ना बढा गटर का। रात को कुछ भी करके जायेंगे ऐसा थोडी चलता है।

मा. सभापती :-

साहेब, सगळ्या लाकप्रतिनिधी कडुन तुम्हाला चांगला सहकार्य मिळेल.सगळे लोकप्रतिनिधी जागृत आहेत. आणि आपण स्वताहुन जाती ने लक्षघालता पण आता आणखिन घाला. गटर पाण्याच पावसाळ्या अगोदर आणि ते चांगले झाले पाहिजे. एखाद गटर झाल तर कमीत कमी १० वर्षे चालल पाहिजे. इथे ६ महिन्याने परत गटर चालू होत.

अनिता पाटील :-

मा. आयुक्त साहेब, मला बोलायच बाहे. जवळ- जवळ ६ वर्षे झाले. माझ्या वॉर्डात २ गटारे असे आहेत. कि ती परिस्थिती एवढी भयानक आहेत. एवढे लोक तिथे राहतात. अक्षरशा: जिव मुठित घेवून जातात एवढी तिथे घाणेरडा परिसर आहे. मी स्टॅडींग मध्ये होतो तरी सुध्दा ते काम झाल नाही. आता परत कन्टीन्यु आहे तरी सुध्दा काम झाल नाही. निदान यावेळी तरी ते काम घेण्यात याव. २ गटाराच काम आहे.

प्रकरण क्र. १४८ :-

मा. आयुक्त यांनी शिफारस केलेल्या प्रस्तावाचे पुर्नविनियोजन विवरण पत्रकास मंजूरी देणे. (भांडार विभाग)

ठराव क्र. १३९ :-

मा. आयुक्तांनी सादर केलेल्या पुर्नविनियोजन प्रस्ताव पाहता तसेच मिरा भाईदर महानगरपालिकेच्या सन २०१३-१४ चे अर्थसंकल्पातील तरतुद पाहता विकास कामाच्या लेखाशिर्षावर मोठ्या तरतुदीची आवश्यकता आहे. ज्या कामासाठी निधीची गरज आहे व ज्या लेखाशिर्षावर दि. ३१ मार्च २०१४ पर्यंत तरतुद खर्च पडणार नाही अशी रक्कम ज्या लेखाशिर्षावर आवश्यक आहे, त्यावर वर्ग करणेबाबत मा. आयुक्तांनी सर्व विभागांची पाहणी करुन एकत्रितपणे पुर्नविनियोजनाचे प्रस्ताव माहे डिसेंबर पर्यंत सादर करणे आवश्यक होते. त्याकरीता यापूर्वीच मा. स्थायी समिती सभापती ह्यांनी बैठक घेऊन सर्व विभाग प्रमुखांना सुचना केल्या होत्या. तसे न करता फक्त भांडार विभागाचाच प्रस्ताव सादर केलेला आहे. सदरचा प्रस्ताव आम्ही फेटाळत आहोत. तसेच पुढील स्थायी समितीमध्ये एकत्रितपणे सर्व विभागांचे पुर्नविनियोजनाचे प्रस्ताव तयार करुन सादर करावे. तसे न करता २०१३-१४ चे सुधारीत व सन २०१४-१५ च्या मुळ अंदाजपत्रकात परस्पर फेरबदल करुन अंदाजपत्रक सादर केल्यास संबंधीत अधिकाऱ्यावर महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे कलम ५६ नुसार कार्यवाही करण्यात येईल. भांडार विभागाने पुर्नविनियोजनाचा सादर केलेला प्रस्ताव जोपर्यंत सर्व विभागाचे एकत्रिक प्रस्ताव येत नाहीत तोपर्यंत हा प्रस्ताव फेटाळण्यात येत आहे.

सुचक :- श्री. राजेंद्र जैन अनुमोदन :- श्री. हरिश्चंद्र आमगावकर
ठराव सर्वानुमते मंजूर

सही/-
सभापती
स्थायी समिती
मिरा भाईदर महानगरपालिका

नगरसचिव :-

प्रकरण क्र. १४९, “नागरी आपत्ती धोके निवारण कार्यक्रम” निविदेस मंजूरी मिळणे बाबत.

राजेंद्र जैन :-

मिरा भाईदर महानगरपालिका आपत्ती व्यवस्थापन विभाग व राज्य शासनाच्या शहरी आपत्ती व्यवस्थापन कार्यक्रमांतर्गत मिरा भाईदर शहरात नागरी आपत्ती धोके निवारण कार्यक्रम राबविणे कामी राज्य शासनाकडून रु. ५०,००,०००/- अनुदान प्राप्त झालेले आहे. नागरी आपत्ती धोके निवारण कार्यक्रम राबविणे कामी जाहीर निविदा मागविण्यात आलेल्या आहेत. त्यानुसार दोन निविदा प्राप्त झालेल्या आहेत. संबंधित प्राप्त झालेल्या निविदामधील गणेशकृपा या ठेकेदाराच्या निविदांचे दर तुलनात्मकदृष्ट्या जास्त असल्याचे दिसून येत आहे. तसेच या कामी एकच निविदा प्राप्त झालेली असल्याने या कामाच्या फेरनिविदा मागवुन सदर विषय तातडीने मंजूरी करीता पुढील सभेत ठेवण्यात यावा असा ठराव मांडत आहे.

प्रशांत दळवी :-

माझ अनुमोदन आहे.

मा. सभापती :-

ठराव सर्वानुमते मंजूर करण्यात येत आहे.

प्रकरण क्र. १४९ :-

“नागरी आपत्ती धोके निवारण कार्यक्रम” निविदेस मंजूरी मिळणे बाबत.

ठराव क्र. १४० :-

मिरा भाईदर महानगरपालिका आपत्ती व्यवस्थापन विभाग व राज्य शासनाच्या शहरी आपत्ती व्यवस्थापन कार्यक्रमांतर्गत मिरा भाईदर शहरात नागरी आपत्ती धोके निवारण कार्यक्रम राबविणे कामी राज्य शासनाकडून रु. ५०,००,०००/- अनुदान प्राप्त झालेले आहे. नागरी आपत्ती धोके निवारण कार्यक्रम राबविणे कामी जाहीर निविदा मागविण्यात आलेल्या आहेत. त्यानुसार दोन निविदा प्राप्त झालेल्या आहेत. संबंधित प्राप्त झालेल्या निविदामधील गणेशकृपा या ठेकेदाराच्या निविदांचे दर तुलनात्मकदृष्ट्या जास्त असल्याचे दिसून येत आहे. तसेच या कामी एकच निविदा प्राप्त झालेली असल्याने या कामाच्या फेरनिविदा मागवुन सदर विषय तातडीने मंजूरी करीता पुढील सभेत ठेवण्यात यावा असा ठराव मांडत आहे.

सुचक :- श्री. राजेंद्र जैन अनुमोदन :- श्री. प्रशांत दळवी
ठराव सर्वानुमते मंजूर

सही/-
सभापती
स्थायी समिती
मिरा भाईदर महानगरपालिका

नगरसचिव :-

प्रकरण क्र. १५०, त्रैमासिक जमाखर्चाचा आढावा घेणेबाबत. (दि. १३/१२/२०१३ रोजीचे तहकुब प्रकरण क्र. १३३)

प्रशांत दळवी :-

दि. १३/१२/२०१३ च्या मा. स्थायी समितीपुढे प्रकरण क्र. १३३ मे, जुलै, ऑगस्ट, सप्टेंबर २०१३ पर्यंतचा त्रैमासिक अहवाल मंजुरीसाठी ठेवला होता. त्यावेळी सभागृहाने ऑक्टोबर, नोव्हेंबर, डिसेंबर २०१३ पर्यंतचा त्रैमासिक अहवाल मंजुरीसाठी एकत्रितपणे ठेवावा असा दि. १३/१२/२०१३ च्या मा. स्थायी समितीत ठराव केला होता. त्या ठरावाप्रमाणे आजपर्यंत एकत्रितपणे प्रस्ताव सादर करण्यात आलेला नाही. त्यामुळे प्रशासन स्थायी समितीने केलेल्या सुचनेचे पालन करत नाही व सभागृहाने यापूर्वी पारित केलेल्या ठरावाची अंमलबजावणी होत नाही. तसेच जे अधिकारी ठरावाप्रमाणे कारवाई निर्णय घेत नाही त्यांच्यावर ठपका ठेवत आहे व ठरावाची अंमलबजावणी होत नाही तो पर्यंत सभा तहकुब करावी असा मी ठराव मांडतो.

अश्विन कासोदरिया :-

माझे अनुमोदन आहे.

मा. सभापती :-

ठराव सर्वानुमते मंजूर करण्यात येत आहे. तसेच आजची सभा संपली असे मी जाहिर करतो.
(सभा संपल्याची वेळ दुपारी १२.४५ वा.)

सही/-
सभापती
स्थायी समिती
मिरा भाईदर महानगरपालिका

नगरसचिव
मिरा भाईदर महानगरपालिका